दैनिक
साधना एक्सप्रेस

वर्ष-4 | अंक -186 | sadhnaexpress@gmail.com | भोपाल, रविवार, 28 जून, 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये | www.sadhnaexpress.com

न्यूज ब्रीफ

के. भाग्यराज के निधन से सदमे में साउथ इंडस्ट्री, 2 दिन पहले खुशबू सुंदर की बेटी की शादी में हंस-बोल रहे थे एक्टर

नई दिल्ली, एजेंसी | शनिवार सुबह तमिल फिल्म इंडस्ट्री को एक बड़ा झटका लगा, जब मशहूर फिल्ममेकर, एक्टर और स्क्रीनराइटर के. भाग्यराज का निधन हो गया। बताया जा रहा है कि चेन्नई में उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। यह खबर उनके फैन्स और साथ काम करने वालों के लिए एक गहरा सदमा थी, और इसके साथ ही दशकों तक चले उनके शानदार करियर का अंत हो गया। भाग्यराज अपने पीछे 'मुंधनाई मुदिचू', 'अंधा 7 नाटकाल्', 'चिन्ना वीडू' और 'सुंदरा कांडम' जैसी बेहतरीन फिल्में छोड़ गए हैं।

इस नुकसान को और भी दुखद बनाने वाली बात यह है कि यह अनुभवी फिल्ममेकर अपने आखिरी दिनों तक एक्टिव रहे थे। निधन से सिर्फ दो दिन पहले, भाग्यराज गोवा में एक्टर-राजनेता खुशबू सुंदर की बेटी अवंतिका की शादी में शामिल हुए थे। उनके निधन की खबर के बाद, शादी के जश्न का एक वीडियो X पर फिर से सामने आया है, जिसमें साउथ इंडियन सिनेमा के कुछ बड़े स्टार्स के साथ उनकी आखिरी सार्वजनिक मौजूदगी में से एक झलक दिखाई देती है।

इस क्लिप में चिरंजीवी, वेंकटेश का हाथ मिलाकर उनका स्वागत करते हुए दिख रहे हैं, जब वेंकटेश सीढ़ियों से नीचे आ रहे होते हैं और दोनों थोड़ी देर के लिए एक-दूसरे का हाल-चाल पूछते हैं। कुछ ही पल बाद, चिरंजीवी बड़े प्यार से भाग्यराज से हाथ मिलाते हैं, जो लाइन में वेंकटेश के ठीक पीछे खड़े थे। बातचीत के दौरान मुस्कुराते हुए, भाग्यराज भी उनका अभिवादन करते हैं और आगे बढ़ जाते हैं। यह पल अब फैंस के लिए एक भावुक याद बन गया है।

कांग्रेस नेता की अचानक तबीयत बिगड़ी! आनन-फानन में हैदराबाद के अस्पताल में किया गया भर्ती

नई दिल्ली, एजेंसी| कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी. हनुमंत राव को शनिवार (27 जून 2026) को खैराताबाद स्थित एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ नेफ्रोलॉजी एंड यूरोलॉजी (AINU) में भर्ती कराया गया. किडनी से जुड़ी पुरानी समस्या के कारण उनकी तबीयत बिगड़ गई थी, जिसके बाद डॉक्टरों ने उनकी हालत स्थिर करने के लिए तुरंत एडवांस मेडिकल ट्रीटमेंट शुरू किया. कई दशकों से राज्य की राजनीति में सक्रिय इस अनुभवी नेता को सोमवार देर शाम शारीरिक रूप से काफी परेशानी महसूस हुई. उनके परिवार वाले तुरंत उन्हें किडनी के इलाज के लिए बने इस खास अस्पताल ले गए.मेडिकल सूत्रों के अनुसार, यह पहली बार नहीं है जब इस वरिष्ठ नेता को स्वास्थ्य से जुड़ी ऐसी गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा है. इससे पहले भी उन्हें किडनी की इसी समस्या के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था और एक्सपर्ट नेफ्रोलॉजिस्ट की कड़ी निगरानी में गहन इलाज के बाद वे पूरी तरह ठीक हो गए थे. अस्पताल पहुंचने पर, उनके मौजूदा मेडिकल पैरामीटर्स की जांच के लिए वरिष्ठ डॉक्टरों की एक खास टीम बनाई गई. मेडिकल टीम उनके किडनी फंक्शन टेस्ट और शरीर के जरूरी संकेतों (वाइटल साइन्स) पर बारीकी से नजर रख रही है.

नव्य, दिव्य और भव्य सिंहस्थ के लिए तेजी से चल रही हमारी तैयारी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

• सिंहस्थ विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला • करीब 40 करोड़ श्रद्धालु आएंगे, हर दिन करीब 4 करोड़ श्रद्धालु कर सकेंगे अमृत स्नान

• भोपाल प्रतिनिधि

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हर 12 साल में होने वाला सिंहस्थ भारत का ही नहीं, विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला है। यह हमारी अपनी समृद्ध भारतीय संस्कृति, दर्शन, पीढ़ियों से चली आ रही विरासत, अटूट आस्था और हमारी आध्यात्मिक परम्पराओं का महासंगम है। इस धार्मिक उत्सव में मां शिप्रा के जल में स्नान करने से पापों का शमन होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम सिंहस्थ : 2028 को नव्य प्रारूप में भव्य, दिव्य और आध्यात्मिक बनाने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। इसके लिए हमारी सभी तरह के प्रबंधन एवं तैयारियां तेजी से जारी हैं। हम सब मिलकर पूरी निष्ठा, लगन और समर्पण से काम करेंगे, तभी सिंहस्थ : सिंहस्थ-2028 एक नई मिसाल कायम करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को उज्जैन में 'सिंहस्थ-2016 के अनुभव, 2028 का संकल्प' विषय पर हुई एक वृहद प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का विधिवत् शुभारंभ किया। कार्यशाला में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ : 2028 के महाआयोजन से जुड़े सभी प्रशासनिक, पुलिस, स्वास्थ्य, नगर निगम और

अन्य निर्माण एजेंसियों के अधिकारियों एवं अन्य प्रतिनिधियों से कहा कि सिंहस्थ केवल एक मेला नहीं, करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र बिन्दु है। यह हमारी परम्पराओं, विरासत का भव्य प्रतीक है। इसकी गरिमा बनाए रखने हम सभी की जिम्मेदारी है। अधिकारी-कर्मचारी-स्वयंसेवी संगठन-जनप्रतिनिधि सभी लोग एक टीम की तरह सेवा भावना से कार्य करें, क्योंकि टीम वर्क ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा कि 'स्वच्छ सिंहस्थ, स्वस्थ सिंहस्थ' ही हमारा संकल्प है। सिंहस्थ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। भीड़ प्रबंधन, आपातकालीन सेवाओं और त्वरित राहत व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उज्जैन और इसके आस-पास के सभी जिलों में वर्तमान में 25 हजार करोड़ रूपए से अधिक की लागत के विभिन्न श्रेणी के कई विकास कार्य चल रहे हैं। इन कार्यों के पूरा होने पर उज्जयिनी सम्राट विक्रमादित्य के काल का वैभव पुनः प्राप्त कर धार्मिक, आध्यात्मिक और आर्थिक समृद्धि का एक नया अध्याय लिखेगी।

उन्होंने कहा कि सिंहस्थ : 2028 के दौरान करीब 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का उज्जैन आने का अनुमान है। शिप्रा के नवीन घाटों और मौजूदा घाटों पर 24 घंटे में लगभग 4 करोड़ श्रद्धालु अमृत स्नान कर सकेंगे। हमारी सरकार हर तरह के प्रबंध कर रही है ताकि सभी श्रद्धालु मां शिप्रा के जल से ही स्नान कर सकें।

पूर्वी एशियाई देश सेशेल्स पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति पैट्रिक ने दिया 'गार्ड ऑफ ऑनर'

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्वी एशियाई देश सेशेल्स के विक्टोरिया पहुंचे हैं. पीएम मोदी का यह विदेश दौरा 27 से 29 जून 2026 तक रहेगा. वह सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के आमंत्रण पर पहुंचे हैं. भारत से उड़ान भरने के बाद उनका विमान सेशेल्स के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरा. पीएम मोदी की यह एक राजकीय यात्रा है. ऐसे में माना जा रहा है कि कूटनीतिक, व्यापारिक स्तर पर भी यह यात्रा हिंद महासागर इलाके में भारत और सेशेल्स की मजबूत दोस्ती को दर्शाता है.

राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने दिया पीएम मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर - पीएम मोदी के लेकर सेशेल्स बेहद ही उत्साहित दिखा. पीएम मोदी का सेशेल्स में पारंपरिक तरीक से बेहद उत्साह और पूरे सम्मान के साथ

स्वागत हुआ. उन्होंने राष्ट्रपति डॉ पैट्रिक हर्मिनी की मौजूद में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. पूरे एयरपोर्ट पर कच्छी लोक नृत्य के माध्यम से भारती संस्कृति की भव्यता और भारतीय मूल के समुदाय का अपनी मातृभूमि के साथ अटूट बंधन दर्शाया गया

अपने दौरे के दौरान पीएम मोदी राष्ट्रीय दिवस के स्वर्ण जयंती समारोह में शामिल होंगे. सेशेल्स ने उन्हें बतौर चीफ गेस्ट आमंत्रित किया है. पीएम मोदी ने विक्टोरिया प हुं च क र बॉटनिकल गार्डन के दौरा किया है. इस दौरान वहां के राष्ट्रपति हर्मिनी भी मौजूद रहे.

बता दें, सेशेल्स की आजादी के पचास साल पूरे हो रहे हैं. पीएम मोदी का सेशेल्स में मौजूद भारतीय समुदाय के लोगों ने होटल पहुंचने पर गर्मजोशी के साथ स्वागत किया. बॉटनिकल गार्डन पहुंचकर पीएम मोदी ने 194 साल के कछुए को भी देखा. यह दुनिया का सबसे ज्यादा उम्र का जलीय जीव है.

अब शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर लगे आरोप, एसआईटी को मिली शिकायत, जांच की मांग

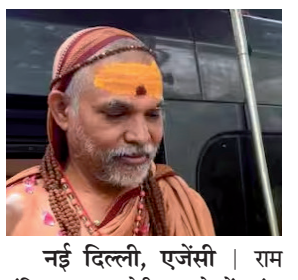

नई दिल्ली, एजेंसी | राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जांच जारी है. एसआईटी इस मामले की जांच कर रही है. इस बीच अब एसआईटी को शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ शिकायत मिली है. राम मंदिर निर्माण और स्वर्णालय निर्माण के नाम पर चंदा, सोना और चांदी संग्रह में कथित अनियमितताओं को लेकर SIT को शिकायत दी गई. शिकायत में अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर अवैध संग्रह और धन के दुरुपयोग के आरोप लगाए गए हैं.

पत्र में दावा किया गया कि हजारों गांवों से सोना-चांदी और दान जुटाकर अधिकृत ट्रस्ट को नहीं सौंपा गया. शिकायतकर्ता ने मामले में तत्काल जांच और कानूनी कार्रवाई की मांग की है. यह पत्र यूपी सरकार द्वारा गठित SIT के अध्यक्ष विजय विश्वास पंत और अन्य सदस्यों को संबोधित किया गया है. स्वामी गोविंदानंद सरस्वती ने एसआईटी को मिलकर जांच का आग्रह किया.

उधर, राम मंदिर में दान के कथित गबन के मामले में गिरफ्तार सभी 8 आरोपियों को शुक्रवार (26 जून) को 29 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. उसके बाद उन्हें स्पेशल कोर्ट के समक्ष पेश किया जाएगा.

ऑफिस से चाय- बिस्कुट घर ले गया चपरासी! नौकरी से निकाला, झारखंड हाईकोर्ट ने किया बहाल, प्रशासन को लगाई फटकार

बोकारो, एजेंसी | ऑफिस से चपरासी चाय- बिस्कुट लेकर अपने घर चला गया। अधिकारियों ने नोटिस जारी कर उसे नौकरी से निकाल दिया। अब झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की अदालत ने चपरासी के बर्खास्तगी के आदेश को निरस्त कर उसे नौकरी पर बहाल करने का आदेश दिया है।

कोर्ट ने जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, बोकारो में कार्यरत संविदाकर्मी चपरासी रंजीत कुमार हिमांशु को सेवा में बहाल करने और 50 प्रतिशत पिछला वेतन देने का निर्देश दिया है।

इस मामले में झारखंड हाई कोर्ट ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए प्रशासन को फटकार लगाई।

उ.प्र. में इलेक्ट्रॉनिक्स क्रांतिः सीएम योगी ने रखी आधारशिला, बोले- भारत बनेगा आत्मनिर्भर

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गौतम बुद्ध नगर में एम्बर और एसेंट के इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग प्लांट की आधारशिला रखने के कार्यक्रम में हिस्सा लिया और इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्शन और एक्सपोर्ट के लिए राज्य को एक हब बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर जोर दिया। उद्घाटन समारोह में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत को इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरिंग का ग्लोबल हब बनाने का विजन है।

उन्होंने कहा कि मकसद भारत को इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स का हब बनाना है, और इसी सोच ने हमें आज इस मुकाम पर पहुँचाया है—एक ऐसा पल जो हम सभी के लिए खुशी की बात है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि भारत अब इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि किसी ने कभी सोचा भी नहीं था कि जो प्रोडक्ट्स हम कभी ग्लोबल मार्केट से इम्पोर्ट करते थे, वे यहीं बनाए जा सकेंगे और दुनिया भर में एक्सपोर्ट किए जा सकेंगे। जेवर में हुए विकास का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मौजूदा गवर्नेंस मॉडल के तहत इस इलाके में बड़ा बदलाव आया है।

उन्होंने कहा कि इस मज़बूत रणनीति और प्रेरणादायक नेतृत्व की बदौलत, उत्तर प्रदेश में कभी 'जंगल राज' (कानून-व्यवस्था की कमी) के लिए बदनाम रहा जेवर अब खुशहाली और सुशासन यानी 'मंगल राज' का केंद्र बन गया है। इससे पहले दिन में, मुख्यमंत्री योगी ने गोरखपुर में दो दिवसीय 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा-अभियान 2026' का उद्घाटन किया और इसे भारतीय जनता पार्टी के एक बड़े वैचारिक और संगठनात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम का हिस्सा बताया।

मुंबई में मुहर्रम के जुलूस में संदिग्ध टैबलेट बांटते पकड़ा गया आरोपी, पुलिस ने दर्ज किया केस

• मुंबई, एजेंसी

मुंबई | मुंबई में मोहर्रम के जुलूस के दौरान लोगों के बीच कथित तौर पर संदिग्ध गोलियां (पिल्स) बांटे जाने का मामला सामने आया है. इस घटना से जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि जुलूस के दौरान लोगों को संदिग्ध टैबलेट बाटी जा रही हैं. हालांकि, इन दावों की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और पूरे मामले की जांच जारी है.

मुंबई पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है. पुलिस द्वारा जारी बयान के अनुसार, मोहर्रम के दिन निकाले गए जुलूस के दौरान टैबलेट बांट रहे एक संदिग्ध व्यक्ति को भायखला पुलिस ने मौके से हिरासत में लिया. पूछताछ के दौरान आरोपी ने दावा किया कि वह जिन टैबलेट को बांट रहा था, वे दर्द निवारक (पेनकिलर) दवाएं थीं और उनका कोई गलत उद्देश्य नहीं था.

इसी बीच, एक व्यक्ति ने उन टैबलेट में से एक का सेवन किया, जिसके बाद उसे उल्टी और बेचैनी की शिकायत हुई. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की और बड़ी संख्या में टैबलेट लोगों तक पहुंचने से पहले ही संदिग्ध को पकड़ लिया.

कश्मीर से लेकर दिल्ली-एनसीआर तक हिली धरती, अफगानिस्तान में 6.2 तीव्रता का भूकंप, घरों से बाहर निकले लोग

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई इलाकों में शनिवार शाम 7:04 बजे अचानक धरती कांप उठी। कुछ सेकेंड तक महसूस हुए भूकंप के तेज झटकों से लोग घबराकर घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। बाद में नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (NCS) ने पुष्टि की कि अफगानिस्तान में रिक्टर स्केल पर 6.2 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके झटके दिल्ली-एनसीआर से लेकर जम्मू-कश्मीर तक महसूस किए गए।

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में था और इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.2 मापी गई। भूकंप की तीव्रता अधिक होने के कारण इसके झटके भारत के उत्तरी हिस्सों तक महसूस किए गए।

भूकंप के झटके महसूस होते ही दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में लोग एहतियात के तौर पर इमारतों और घरों से बाहर निकल आए। कुछ जगहों पर लोगों ने सोशल मीडिया पर भी भूकंप के झटके महसूस होने की जानकारी शेयर की।

विशेषज्ञों के अनुसार, धरती की सतह से अधिक गहराई में आने वाले भूकंप के झटके काफी बड़े क्षेत्र में महसूस किए जा सकते हैं। हालांकि, ऐसे भूकंपों में सतह पर बड़े पैमाने पर नुकसान होने की संभावना अपेक्षाकृत कम रहती है।

भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान का हिंदूकुश क्षेत्र रहा, जिसे दुनिया के सबसे अधिक भूकंपीय रूप से सक्रिय इलाकों में गिना जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के लगातार टकराने की वजह से इस क्षेत्र में समय-समय पर मध्यम से लेकर तेज तीव्रता के भूकंप आते रहते हैं।

महाराष्ट्र टीईटी पेपर लीक में हरियाणा का एक तो बिहार के 2 लड़के पकड़े, मुख्य आरोपी फरार, 1.5 करोड़ में पेपर बेचने का प्लान

• मुंबई, एजेंसी

मुंबई | महाराष्ट्र में 28 जून 2026 को होने वाली टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (TET) का पेपर लीक हो गया है। ऐसे में महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद ने परीक्षा रद्द करने का फैसला किया है। कुछ दिन पहले नीट परीक्षा का पेपर लीक होने से पूरे देश में हड़कंप मच गया था और उस घटना के मुख्य आरोपी महाराष्ट्र से ही निकले थे।

अब टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट का पेपर लीक होने के बाद महाराष्ट्र में फिर से हलचल मच गई है। इस घटना ने देश भर में कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

दरअसल महाराष्ट्र टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट एक राज्य-स्तरीय परीक्षा है जो कक्षा 1 से

8 तक पढ़ाने के पदों के लिए उम्मीदवारों की योग्यता तय करने के लिए आयोजित की जाती है।

पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में क्या बताया? - भिवंडी पुलिस ने TET पेपर लीक के बारे में जानकारी देने के लिए तुरंत एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पुलिस ने बताया कि TET पेपर लीक के सिलसिले में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों की तलाशी के दौरान हमें रविवार की परीक्षा के प्रश्न पत्र मिले और हमने उन्हें जब्त कर लिया है। हमने जाल बिछाकर उन आरोपियों को पकड़ा जो पेपर बेचने की कोशिश कर रहे थे।

नीट का 1 सवाल ड्रॉप, 20 लाख छात्रों को 4 बोनस अंक, आंसर-की चैलेंज विंडो 28 जून तक ओपन

नई दिल्ली, एजेंसी | NEET UG 2026 री-एग्जाम का रिजल्ट आने से पहले ही उम्मीदवारों के 4 नंबर पक्के हो गए हैं। 21 जून को हुए री-एग्जाम की प्रोविजनल आंसर-की जारी की गई है, जिसमें फिजिक्स के एक सवाल को 'ड्रॉप' (हटाया) गया है। ड्रॉप किए गए इस सवाल के लिए सभी छात्रों को पूरे 4 बोनस नंबर (+4) दिए जाएंगे, भले ही किसी उम्मीदवार ने उस सवाल को हल किया हो या नहीं किया हो। 20 लाख उम्मीदवारों ने री-एग्जाम दिया है और इन सभी को अपने फाइनल रिजल्ट से पहले एक सवाल के नंबर पता चल गए हैं। इसके अलावा फिजिक्स के ही एक सवाल के दो जवाब सही पाए गए हैं। जिन- जिन कैंडिडेट्स ने उन दोनों विकल्पों में से किसी को भी चुना होगा, उनको पूरे 4 नंबर मिलेंगे। इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वेव्स और वर्नियर कैलिपर्स से जुड़े सवालों को लेकर आपत्ति दर्ज करवाई गई थी।

नीट एग्जाम 2026 फाइनल आंसर-की आने के बाद यह साफ होगा कि क्या कोई और सवाल ड्रॉप किया गया है। नीट पेपर एक ही शिफ्ट में हुआ है तो सभी 20 लाख को 4 बोनस अंक मिलेंगे। फिजिक्स के साथ-साथ केमिस्ट्री और बायोलजी में भी एक या दो सवाल के गलत होने की आशंका जताई जा रही है।

जूलॉजी को लेकर भी छात्र सवाल उठा रहे हैं और हो सकता है कि इस विषय में कई सवालों को चैलेंज किया जाए। अब ये तो फाइनल आंसर-की के बाद सामने आएगा कि कितने सवाल आखिरकार ड्रॉप होंगे। लेकिन यहां पर विशेषज्ञ यह सवाल उठा रहे हैं कि आखिर री-एग्जाम के क्वेश्चन पेपर में भी सवाल ड्रॉप करने की नौबत क्यों आई।

ताजियों की जियारत करने उमड़ा जनसैलाब या हुसैन' के नारों से गूंजा नगर

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा।

(राजेश नीरस) नगर में मोहर्रम का पर्व सांप्रदायिक सौहार्द के साथ मनाया गया । संजय मार्केट के सामने मजमे में जायरीनों ने ताजियों की जियारत कर तबर्रुक पेश किया । यौम-ए-आशूरा के दिन शहर के कोने-कोने से या हुसैन, या हुसैन' के नारे बुलंदी के साथ सुनाई दिए । शहनाई की शहीदी धुन पर सवारियां बाबाओं की आमद के साथ पूरे शहर में रन करती हुई नजर आई । दोपहर तक संजय मार्केट के सामने ताजियों की जियारत करने के लिए जनसैलाब देखा गया ।सुबह से ही नगर के सभी इमामबाड़ों से निकली सवारियां संजय मार्केट के सामने एकत्रित हुईं। जायरीनों ने अकीदत के साथ ताजियों पर इत्र-खुशबू और लोबान पेश किया। रेबड़ी का तबर्रुक् तकसीम किया । बच्चे, बूढ़े, महिलाएं सभी ने ताजियों का दीदार कर मन्नतें मांगीं। सुबह से दोपहर तक मजमा लगा ।

शुक्रवारा बाजार से लेकर संजय मार्केट तक व नगर में जगह-जगह लंगर और शरबत तकसीम होता रहा । शक्ति चौक और बड़ेवली पर भी भारी मजमा लगा रहा।

मजमे में बड़ी संख्या में मुरादियों ने बाबाओं से मुलाकात की। सवारियों के साथ चल रही बाबाओं की आमद के सामने मुरादियों ने प्याले नजर* कर हाजरी लगाई और मन्नतें मांगीं। शहनाई की धुन पर सवारियो ने दरगाहों इमामबाड़ों में हाजरी पेश की । शहीदाने कर्बला की याद में सभी मस्जिदों में यौम-ए-आशूरा की नमाज अदा की गई।

जुमे की नमाज में भी भारी तदाद में नमाजी उमड़े। जामा मस्जिद, छोटी मस्जिद, फैजाने मदीना मस्जिद नमाजियों से खचाखच भर गई थी। मोहर्रम यौम ए आशूरा पर जगह-जगह पुलिस बल तैनात रहा। एस डी एम मणिन्द्र सिंह, तहसीलदार प्रियंका नेताम,एस डी ओ पी ललित डागुर, नगर निरीक्षक अशोक चौहान सहित नपा एवं राजस्व विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे ।ननगर पालिका परिषद द्वारा बेहतर साफ-सफाई, जगह-जगह चूने की लाइन डाली गई थी। ट्रैफिक व्यवस्था विशेष ध्यान दिया गया । बाद नमाज-ए-ईशा चावड़ी बारह भाई इमामबाड़ा के पास ताजियों का मजमा पूरी रात लगा रहा। बड़ेवली इमामबाड़े परिसर में स्टेज पर शहनाई बजती रही अकीदत के साथ लोगो ने शहीदी कलाम सुने

आज मोहर्रम की 11 तारीख को सुबह नया बस स्टैंड बाबली अखाड़ा दरगाह के पास ताजिये एकत्रित होंगे और फिर शक्कर नदी कर्बला शरीफ जाकर विसर्जन कुंड में विसर्जित किए जाएंगे मोहर्रम के दिन नगर का माहौल पूरी तरह हुसैनी नजर आया। हर तरफ सिर्फ अकीदत और इंसानियत का पैगाम सुनाई दे रहा था। संजय मार्केट के समक्ष जामा मस्जिद द्वारा बेहतर इंतजाम किए थे । नगर में लंगर का सिलसिला जारी है । शक्ति चौक पर हसनी हुसैनी सोसायटी द्वारा आम लंगर का विशाल रूप में आयोजन हुआ । जामा मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष अबरार खान ने मोहर्रम पर मिले प्रशासनिक सहयोग के प्रति आभार जताया ।

मोहर्रम पर्व पर आवाम फाउंडेशन की सराहनीय पहल, रोजा इफ्तार और स्वच्छता का दिया संदेश

साधना एक्सप्रेस रीवा।

मोहर्रम के पावन अवसर पर आवाम फाउंडेशन द्वारा सामाजिक सेवा और भाईचारे की मिसाल पेश की गई। जुलूस में शामिल लोगों के लिए एसके स्कूल के सामने स्थित मैरिज गार्डन में रोजा इफ्तार का बेहतरीन इंतजाम किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने एक साथ इफ्तार कर एकता और सौहार्द का संदेश दिया।

इसी के साथ जुलूस के दौरान होने वाली गंदगी को लेकर भी फाउंडेशन ने जिम्मेदारी निभाई। बम फाउंडेशन ने अपने सैकड़ों साथियों के साथ मिलकर साफ-सफाई का बीड़ा उठाया। नगर निगम के चार कर्मचारियों और दो गाड़ियों के सहयोग से टीम पूरे जुलूस के पीछे-पीछे चलते हुए लगातार सफाई करती रही।

इस पहल ने न सिर्फ स्वच्छता का संदेश दिया, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का भी एक बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया। स्थानीय लोगों ने इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयासों से समाज में सकारात्मक बदलाव आता है और अन्य संगठनों को भी इससे प्रेरणा लेनी चाहिए।

राष्ट्रवादी किसान आर्मी के आंदोलन में किसानों मे दिखा आक्रोशए ट्रैक्टर बैलगाड़ी रैली के साथ सौपा ज्ञापन

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा

(राजेश नीरस) किसानों ने आक्रोश जताते हुए विशाल रूप में प्रदर्शन किया । कई दिनों से किसानों को निरंतर खाद,बीज, डीजल, उपज के पंजीयन, विक्रय करने जैसी तरह तरह की लाइनों में लगना पड़ रहा है। इसे लेकर किसानों में आक्रोश भी देखा जा रहा था तथा विभिन्न किसान संगठन समय समय पर मांगों को लेकर आवाज उठाते रहते हैं। ऐसे ही किसानों के हित में अनेक मांगों को लेकर राष्ट्रवादी किसान आर्मी ने शनिवार को विशाल ट्रैक्टर, बैलगाड़ी रैली निकाली। गल्ला मंडी में आमसभा आयोजित कर वक्ताओं ने किसानों के अधिकारों के लिए आवाज बुलंद की। सभी किसान, बैलगाड़ी ट्रैक्टर लेकर नारे लगाते हुए रैली के रूप में एसडीएम कार्यालय पहुंचे। रास्ते में पलोटन गंज चौराहे पर पुलिस एवं प्रशासन के लोग तैनात रहे। रास्ते में तथा एसडीएम कार्यालय में जोरदार नारेबाजी चलती रही। ज्ञापन देने के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल, प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। ज्ञापन देने समय किसानों की तादाद इतनी अधिक थी कि लोग एसडीएम कार्यालय परिसर में जगह न रहने से मुख्य रोड के दोनों ओर तथा पलोटनगंज तक जगह जगह किसान खड़े रहे । प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम का ज्ञापन एसडीएम मणिन्द्र सिंह को प्रतिनिधि मंडल ने सौंपकर निराकरण की मांग की जिस पर अधिकारियों ने उच्चाधिकारियों को अवगत कराने की बात कही। राष्ट्रवादी किसान आर्मी द्वारा 27 जून, शनिवार को आयोजित किसान जन क्रांति आंदोलन में किसानों ने ज्ञापन में मूंग की फसल 100 प्रतिशत खरीदी जाने। खाद के मूल्य घटाकर गांवों में खाद की नियमित उपलब्धता सुनिष्चित करने, उपलब्धता के लिए सहकारी समितियों को सशक्त किया जाने। फसल विक्रय व्यवस्था को सरल और पारदर्शी बनाया जाने। किसानों को प्रतिदिन कम. से. कम 12 घंटे बिजली उपलब्ध कराई जाने। गन्ने पर प्रति क्विंटल 50 रूपए बोनस दिलाने। क्रांति धान की खरीददारी प्रति क्विंटल 3100 रूपए की दर से, गेंहूं की खरीदारी प्रति क्विंटल 3000 रूपए की दर से कराने। मप्र प्रदेश में बासमती धान को जीआई टैग दिलाया जाने। खाद का ई-टोकन बन्द करने जैसी मांगें शामिल रहीं। किसानों ने समय सीमा में मांगों की स्वीकृति के आदेश जल्द जारी करने की मांग की। इस मौके पर राष्ट्रवादी किसान आर्मी पदाधिकरियों समेत सैकडों की संख्या में किसान उपस्थित थे। पूरे आंदोलन के दौरान मार्ग में जगह जगह पुलिस बल तैनात रहा, आंदोलन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ । आंदोलन के दौरान किसान एकजुट नजर आए और अपने हक के लिए लड़ते दिखाई दिए ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैतूल के हिल स्टेशन कुकरू में देखा सनसेट पॉइंट

» मुख्यमंत्री अभिभूत हुए कुकरू की प्राकृतिक छटा से

» पर्यटन विकास की संभावनाओं पर की चर्चा

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को बैतूल प्रवास के दौरान जिले के सुप्रसिद्ध हिल स्टेशन कुकरू का भ्रमण किया। उन्होंने कुकरू स्थित सिपना सनसेट पॉइंट पर पहुंचकर सूर्यास्त के मनोहारी एवं अलौकिक दृश्य के साथ क्षेत्र के अनुपम प्राकृतिक सौन्दर्य को निहारा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कुकरू की पर्वत श्रृंखलाओं, हरित वनों और प्राकृतिक छटा से अभिभूत हुए। उन्होंने कहा कि कुकरू प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में विकसित होने की अपार संभावनाएं रखता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्राकृतिक सौन्दर्य से समृद्ध कुकरू न केवल पर्यटकों को आकर्षित करेगा, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आजीविका के नए अवसर भी सृजित करेगा।

समान नागरिक संहिता का उद्देश्य सभी नागरिकों को बराबरी का हक उपलब्ध कराना है : प्रो. गोपाल शर्मा

उच्च स्तरीय समिति की जन परामर्श बैठक सम्पन्न

जनप्रतिनिधियों और समाज के विभिन्न वर्गों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

ग्वालियर,निप्र। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के अध्ययन एवं परीक्षण के लिये गठित उच्च स्तरीय समिति की जन परामर्श बैठक गुरुवार को बाल भवन के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में समिति के सदस्य प्रो. गोपाल शर्मा ने कहा कि देश में वर्तमान में दो दर्जन से अधिक ऐसे कानून हैं जिसमें एक ही प्रकार के मामलों में अलग-अलग प्रावधान लागू होते हैं। समान नागरिक संहिता का उद्देश्य सभी नागरिकों को समान अधिकार उपलब्ध कराना है।

बाल भवन के सभागार में आयोजित जन परामर्श बैठक में उच्च स्तरीय कमेटी के श्री अनूप नायर, श्री बुधपाल सिंह, सुश्री शोभा पेठणकर सहित विधायक भितरवार श्री मोहन सिंह राठौर, विधायक ग्रामीण श्री साहब सिंह गुर्जर, पूर्व सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर, ग्वालियर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री मधुसूदन भदौरिया, ग्वालियर विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री अशोक शर्मा, संत कृपाल सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया, पूर्व मंत्री श्रीमती इमरती देवी, भाजपा ग्रामीण अध्यक्ष श्री प्रेम सिंह राजपूत, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह सहित जनप्रतिनिधि, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, शांति समिति के सदस्य एवं शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। उच्च स्तरीय समिति के सदस्य प्रो. गोपाल शर्मा ने कहा कि समान नागरिक संहिता के संबंध में जनता के विचार जानने के लिये एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गई। नागरिकों के विचार जानने के लिये प्रदेश भर में लोगों से संवाद करने के उद्देश्य से बैठकें आयोजित की गई हैं। प्रदेश भर में 10 लाख से अधिक लोगों ने समिति के समक्ष अपने सुझाव प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता का संबंध परिवार से जुड़े कानूनों जैसे विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, विरासत और परिवारिक अधिकारों से है। वर्तमान में देश में अधिकांश कानून सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होते हैं। लेकिन पारिवारिक मामलों में अलग-अलग धर्मों के लिये अलग-अलग व्यक्तिगत कानून लागू हैं। इसी कारण समान परिस्थितियों में अलग-अलग लोगों को अलग-अलग कानूनी अधिकार प्राप्त होते हैं।

समिति की सदस्य सुश्री शोभा पेठणकर ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता का इतिहास काफी पुराना है। आजादी से पहले भी इसका प्रारूप तैयार कर लिया गया था लेकिन इसे लागू नहीं किया जा सका। देश ने उच्च स्तरीय समिति गठित कर नागरिकों के सुझाव लिए जा रहे हैं। इन सुझावों के आधार पर समिति अपनी रिपोर्ट विधि विभाग को सौंपेगी। इसके पश्चात ही इस कानून का मसौदा तैयार किया जायेगा। ग्वालियर में जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने बढ़-चढ़कर इस बैठक में न केवल भाग लिया बल्कि अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

विधायक श्री मोहन सिंह राठौर ने समान नागरिक संहिता के संबंध में कहा कि इसके लागू होने से सम्पूर्ण देश में सभी के लिये समान कानून मिलेगा और देश के विकास में यह कानून बहुत ही उपयोगी साबित होगा। समाज के सभी वर्गों से चर्चा कर कानून बनाने का जो कार्य किया जा रहा है, वह प्रशंसनीय है।

विधायक श्री साहब सिंह गुर्जर ने कहा कि समान नागरिक संहिता के लिये नागरिकों के जो सुझाव लिए जा रहे हैं। उनमें शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों से भी सुझाव आमंत्रित किए जाना चाहिए। सम्पूर्ण देश में सभी के लिये एक जैसा कानून होना ही चाहिए। संत कृपाल सिंह ने कहा कि सभी धर्म हमें समान व्यवहार और अधिकार देने की बात कहते हैं। देश में सभी नागरिकों के लिये एक जैसा कानून बनाने का जो कार्य किया जा रहा है, वह प्रशंसनीय है। कानूनों में एकरूपता, राष्ट्रीय एकता तथा सामाजिक समरसता को मजबूत करेगी। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि ग्वालियर जिले में समान नागरिक संहिता के लिये विभिन्न माध्यमों से सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र में भी विभिन्न समूहों से चर्चा कर सुझाव प्राप्त किए गए हैं। ग्वालियर जिले में 35 हजार से अधिक नागरिकों ने समान नागरिक संहिता के संबंध में यह सुझाव दिए हैं। इनमें महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह ने कहा कि देश में सभी के लिये समान कानून होना चाहिए। ज्यादातर कानून सभी के लिये एक समान हैं। लेकिन सामाजिक, पारिवारिक, विरासत एवं पारिवारिक मुद्दों में देश में अलग-अलग स्थान पर अलग-अलग प्रावधान हैं। समान नागरिक संहिता के लागू होने से सभी के लिये समान कानून होगा और यह सभी के लिये अच्छा रहेगा। उच्च स्तरीय समिति के सदस्यों के समक्ष आयोजित हुई जन परामर्श बैठक में समाज के विभिन्न वर्गों ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। समिति के सदस्यों ने बैठक में प्राप्त सुझावों को एकत्र कर उन पर विचार करने की बात भी कही। कार्यक्रम का संचालन प्रो. एस बी ओझा ने किया। प्रारंभ में अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर जन परामर्श बैठक का शुभारंभ किया।

स्वच्छ ग्वालियर ऐप पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निराकरण करें : अपर आयुक्त

ग्वालियर,निप्र। स्वच्छ ग्वालियर एवं स्वच्छता ऐप पर प्राप्त शिकायतों का निराकरण हर हाल में समय सीमा में करें। उक्ताशय के निर्देश अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने स्वच्छता ऐप पर आने वाली शिकायतों की समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में सहायक यंत्री एसबीएम श्री शैलेन्द्र सक्सैना, भवन अधिकारी श्री वीरेन्द्र शाक्य, भवन अधिकारी श्री राजू गोयल, श्री यशवंत मैकले, श्री राजीव सोनी, श्री वेद प्रकाश निरंजन, सहायक यंत्री पीएचई श्री सिद्धार्थ तिवारी, सहायक यंत्री विद्युत श्रीमती अभिलाषा बघेल सहित सभी उपयंत्री एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। निगम मुख्यालय में आयोजित बैठक में अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव ने स्वच्छ ग्वालियर एवं स्वच्छता ऐप पर प्राप्त होने वाली शिकायतों की समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में उन्होंने ऐप पर दर्ज शिकायतों का परीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि जिन नागरिकों की शिकायतों का संतोषजनक निराकरण किया गया है, उनसे फीडबैक भी प्राप्त किया जाए, जिससे शिकायत निवारण व्यवस्था की प्रभावशीलता का आकलन किया जा सके। उन्होंने स्वच्छता ऐप में आ रही तकनीकी समस्याओं को देखते हुए पोर्टल को अपडेट करने के निर्देश दिए, ताकि शिकायतें संबंधित अधिकारियों के पास समय पर प्रदर्शित हों और उनका शीघ्र निराकरण हो सके। बैठक के दौरान जिन अधिकारियों द्वारा पोर्टल का नियमित लॉगिन नहीं किया गया, उन पर नाराजगी व्यक्त करते हुए चेतावनी दी गई। अपर आयुक्त ने कहा कि सभी अधिकारी शिकायतों के निराकरण के प्रति गंभीरता बरतें और पोर्टल का नियमित उपयोग सुनिश्चित करें। उन्होंने स्वच्छ ग्वालियर ऐप के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी जोर देते हुए कहा कि अधिक से अधिक नागरिकों को ऐप के उपयोग के लिए जागरूक किया जाए, ताकि वे अपनी शिकायतें ऑनलाइन दर्ज कर सकें तथा शिकायत की अद्यतन स्थिति की जानकारी भी प्राप्त कर सकें। इससे नागरिकों और नगर निगम के बीच संवाद एवं सेवा प्रदायगी की प्रक्रिया और अधिक प्रभावी बनेगी।

क्रिकेटर तेंदुलकर की थीम पर बनेगी सचिन तेंदुलकर मार्ग

अपर आयुक्त ने निरीक्षण में दिए निर्देश

ग्वालियर,निप्र। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के नाम पर बन रहा सचिन तेंदुलकर मार्ग जल्द ही क्रिकेट के रंग में रंगा नजर आएगा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर नगर निगम अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव ने सचिन तेंदुलकर मार्ग का निरीक्षण किया । इस दौरान उन्होंने सचिन तेंदुलकर मार्ग को क्रिकेट और सचिन तेंदुलकर की थीम पर तैयार करने के निर्देश स्मार्ट सिटी के उपयंत्री अभिषेक त्रिपाठी को दिए। निरीक्षण में अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने कहा कि क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर एवं क्रिकेट की थीम पर सचिन तेंदुलकर मार्ग को डिजाइन किया जाए। इस मार्ग पर डिवाइडर पर क्रिकेट का बैट (बल्ला) की कलाकृति लगाई जाए जिस पर सचिन तेंदुलकर के हस्ताक्षर होंगे। इसके अलावा, फुटपाथ पर आम जनता के बैठने के लिए जो बेंच लगाई जाएंगी, उन पर भी क्रिकेट के विभिन्न सिम्बॉल बनाए जाएंगे।

क्रिकेट की थीम पर बनेंगे फुटपाथ

अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने निर्देश दिए हैं कि फुटपाथ पर आमजनों के विश्राम के लिए ब्रेंच आदि लगाई जाएं। साथ ही क्रिकेट की थीम को ध्यान में रखते हुए वॉल पेंटिंग की जाए। जिससे सचिन तेंदुलकर द्वारा कैप्टन रूप सिंह स्टेडियम में बनाएं गए सर्वाधिक स्कोर की छवि प्रदर्शित की जाए ।

बारिश के हर बूंद को सहेजने की कोशिश

अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने निर्देश दिए हैं कि बारिश की हर बूंद को सहेजने का कार्य किया जाए। इसके लिए जो निचले इलाके हैं, वहां पर वाटर हार्वेस्टिंग की जाए, जिससे बारिश के पानी को संरक्षित कर भू-जलस्तर को बढाया जा सके।

एनकैप से कराएं ग्रीनरी

एनकैप के माध्यम से सचिन तेंदुलकर मार्ग पर ग्रीनरी कराने के लिए निर्देश प्रदूषण विभाग की सलाहकार श्रीमती दीपाली पांडे को दिए, जिससे सचिन तेंदुलकर मार्ग पर धूल मिटटी से आमजनों को परेशानी ना हो।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हिल स्टेशन कुकरू में लगाई रात्रि चौपाल, ग्रामीणों से किया आत्मीय संवाद

» मुख्यमंत्री डॉ. यादव की आत्मीयता से रात्रि चौपाल में ग्रामीण हुए अभिभूत

» समूह की महिलाओं को सूक्ष्म, लघु उद्योगों से जोड़कर रोजगार के उपलब्ध कराएं अवसर

» 1.25 करोड़ बहनों के प्रेम से जनकल्याण के लिए दिन-रात कार्य करने की मिलती है शक्तिः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को बैतूल के प्रसिद्ध हिल स्टेशन कुकरू में रात्रि चौपाल लगाकर ग्रामीणों से आत्मीय संवाद किया।

उन्होंने ग्रामीणों से सहज भाव से संवाद कर उनकी समस्याओं के बारे में पूछताछ की। उन्होंने कहा कि रोजमर्रा के कामों में यदि किसी भी विभाग के कर्मचारी या अधिकारी के द्वारा किसी भी प्रकार से परेशान किया जाता है, तो वे निसंकोच होकर उन्हें बतायें

। रात्रि चौपाल में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मिलनसारिता और आत्मीयता से ग्रामीणों ने अभिभूत होकर मुख्यमंत्री के समक्ष खुलकर अपनी बातें रखीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सहजता और प्रेम से प्रभावित होकर रात्रि चौपाल में ग्रामीणों ने स्थानीय कोरकू भाषा में पारंपरिक गीत प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भी "गोविंद बोलो हरि गोपाल बोलो" भजन सुनाकर सभी का मन मोह लिया। रात्रि चौपाल में गंदलो सुसुम कोरकू दल के 21 सदस्यीय तथा होलेरा नृत्य दल के 19 सदस्यीय दल द्वारा पारंपरिक जनजातीय नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति देकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्रीमती शिपा शनवारे ने मुख्यमंत्री को राखी बांधकर भाई के प्रति अपना स्नेह व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों के साथ बैठकर संवाद किया तथा बच्चों को स्नेहपूर्वक दुलार भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीणों से विवाह समारोहों में अनावश्यक खर्चों से बचने तथा सामूहिक विवाह को बढ़ावा देने का आग्रह किया। उन्होंने मृत्यु भोज जैसी कुप्रथाओं को भी समाज में हतोत्साहित करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मना रहा है। सरकार के प्रयास हैं कि समृद्ध खेती के साथ-साथ पशुपालन के माध्यम से दुग्ध उत्पादन को भी बढ़ावा मिले। इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को 25 भैंस अथवा 25 गायों के लिए 40 लाख रुपए तक की ऋण सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, जिसमें 10 लाख रुपए का वहन सरकार द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोदो-कुटकी की खरीदी भी समर्थन मूल्य पर निरंतर की जाएगी। ग्राम कुकरू में पशुपालकों को उन्नत नस्ल के पशु उपलब्ध कराने तथा पशुशेड निर्माण के लिए कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को महिलाओं ने बताया कि आजीविका मिशन के माध्यम से ग्राम में कृषि सखी, जेंडर सखी, बकरी पालन, भैंस पालन, मुर्गी पालन सहित विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। साथ ही सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों से जुड़कर समूह की अनेक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए किसान सम्मान निधि एवं लाड़ली बहना योजना के लाभों की जानकारी ली। उन्होंने किसान सम्मान निधि से वंचित किसानों की ई-केवाईसी शीघ्र कराने के निर्देश प्रशासन को देते हुए कहा कि कोई भी पात्र किसान योजना के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 79 लाख से अधिक किसानों को किसान सम्मान निधि का लाभ प्राप्त हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीणों की पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए तालाब निर्माण कराने के निर्देश प्रशासन को दिए। ग्रामीणों की मांग पर उन्होंने बालिका छात्रावास की स्वीकृति एवं निर्माण, जामूखेड़ी मार्ग तथा बुंदियाखुर्द पुलिया निर्माण के निर्देश भी दिए। उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देशित किया कि स्वयं सहायता समूहों के बड़े समूहों को सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों से जोड़कर रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध कराए जाएं। समूह की महिलाओं की मांग पर आजीविका भवन तथा कोदो-कुटकी प्रसंस्करण यूनिट स्थापित करने के लिए ऋण सहायता उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास तथा शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

उन्होंने सभी ग्रामीणों से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिव्यांग ठकिया गायन की रोजगार संबंधी मांग पर उन्हें ट्राइसिकल उपलब्ध कराने तथा स्वरोजगार से जोड़ने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री जनजातीय कार्य एवं सांसद श्री दुर्गादास उइके, प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल, भैंसदेही विधायक श्री महेंद्र सिंह चौहान, उपाध्यक्ष जन अभियान परिषद श्री मोहन नागर, संभागायुक्त श्री श्रीकांत बनोठ, आईजी श्री मिथलेश कुमार शुक्ला, कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे, पुलिस अधीक्षक श्री वीरेंद्र जैन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

चार साल बाद खुली 1300 करोड़ की परियोजना की बड़ी चूक

145 एकड़ में बन रहे इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में स्टेडियम की चारदीवारी और सर्विस रोड के लिए जगह नहीं बची

भोपाल। राजधानी के नीलबड़ के पास बरखेड़ा नाथू में बन रहे प्रदेश के सबसे बड़े इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की निर्माण प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है, लेकिन इसी दौरान एक ऐसी तकनीकी और प्रशासनिक चूक सामने आई है जिसने पूरी परियोजना की योजना पर सवाल खड़े कर दिए हैं। करीब 1300 करोड़ रुपये की इस महत्वाकांक्षी परियोजना में अब 16 एकड़ अतिरिक्त जमीन की जरूरत पड़ गई है। हैरानी की बात यह है कि चार साल तक निर्माण कार्य चलता रहा, लेकिन किसी को यह पता नहीं चला कि क्रिकेट स्टेडियम की चारदीवारी और निकासी मार्ग के लिए पर्याप्त भूमि छोड़ी ही नहीं गई। अब प्रशासन करीब चार एकड़ निजी भूमि का अधिग्रहण करेगा, जबकि लगभग 12 एकड़ शासकीय भूमि परियोजना में जोड़ी जाएगी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने वर्ष 2022 में इस परियोजना का निर्माण शुरू कराया था। निर्माण की जिम्मेदारी एमपीआरडीसी को दी गई। करीब 145 एकड़ में विकसित हो रहे इस खेल परिसर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, फुटबॉल स्टेडियम, हॉकी मैदान, इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, ओलंपिक स्तर का स्विमिंग पूल, खेल विज्ञान केंद्र और अन्य विश्वस्तरीय सुविधाएं बनाई जा रही हैं। निर्माण अंतिम दौर में पहुंचा तो पता चला कि क्रिकेट स्टेडियम की चारदीवारी और सर्विस रोड के लिए पर्याप्त जगह ही

उपलब्ध नहीं है। इसके बाद दोबारा सर्वे कराया गया और अतिरिक्त 16 एकड़ भूमि की आवश्यकता बताई गई। यही वह सवाल है जो पूरी परियोजना पर खड़ा हो रहा है—क्या 1300 करोड़ रुपये की परियोजना शुरू करने से पहले विस्तृत सर्वेक्षण और मास्टर प्लान का सही आकलन नहीं किया गया था? अगर आसपास जमीन नहीं होती... विशेषज्ञों का कहना है कि यदि परियोजना के आसपास शासकीय और निजी भूमि उपलब्ध नहीं होती, तो करोड़ों रुपये की यह परियोजना अधर में लटक सकती थी। ऐसे में यह मामला केवल अतिरिक्त भूमि का नहीं, बल्कि परियोजना की प्रारंभिक योजना, डिजाइन और तकनीकी परीक्षण की गंभीर खामी का संकेत देता है। सवाल उठता है कि 1300 करोड़ की परियोजना में जमीन का सही आकलन क्यों नहीं हुआ? मास्टर प्लान और डीपीआर तैयार करते समय यह कमी कैसे छूट गई? निर्माण शुरू होने से पहले तकनीकी सत्यापन किसने किया? अगर अतिरिक्त जमीन उपलब्ध नहीं होती तो क्या परियोजना अधूरी रह जाती? यह मामला केवल 16 एकड़ जमीन का नहीं, बल्कि प्रदेश की सबसे बड़ी खेल परियोजना की योजना, निगरानी और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। प्रदेश का सबसे बड़ा खेल परिसर परियोजना में 30 हजार दर्शक क्षमता वाला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, 10 हजार क्षमता का फुटबॉल स्टेडियम, दो हॉकी स्टेडियम, अत्याधुनिक इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, ओलंपिक मानक का स्विमिंग पूल, खेल विज्ञान केंद्र, छह किलोमीटर लंबी फोरलेन सडक, घुड़सवारी ट्रैक, ओपन एयर थिएटर, सौर ऊर्जा संयंत्र, वर्षा जल संचयन और आधुनिक अपशिष्ट प्रबंधन जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। तीन चरणों में हो रहा निर्माण इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण तीन चरणों में हो रहा है। पहले चरण में अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स ट्रैक, हॉकी अभ्यास मैदान, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल और टेनिस कोर्ट बनाया जा रहा है। दूसरे चरण में पांच हजार दर्शक क्षमता वाला इंडोर स्टेडियम, तीन सहायक हॉल, खेल विज्ञान केंद्र और छात्रावास और प्रशासनिक भवन बनाया जा रहा है। तीसरे चरण में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, वेलोड्रोम और अन्य सहायक खेल सुविधाएं। किसानों की जमीन होगी अधिग्रहितअतिरिक्त भूमि में लगभग चार एकड़ निजी भूमि शामिल है। प्रशासन ने प्रभावित किसानों को नोटिस जारी कर दिए हैं। पंचायत क्षेत्र होने के कारण किसानों को गाइडलाइन मूल्य का चार गुना मुआवजा दिया जाएगा। प्रशासन का दावा है कि अगले तीन महीनों में अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। एसडीएम हुजूर विनोद सोनकिया के अनुसार, अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और प्रभावित किसानों को नियमानुसार चार गुना मुआवजा दिया जाएगा। वहीं संयुक्त संचालक, खेल एवं युवा कल्याण विभाग बी.एस. यादव ने बताया कि क्रिकेट स्टेडियम के तीसरे चरण के निर्माण के लिए 16 एकड़ अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता है, जिसमें लगभग 12 एकड़ शासकीय और चार एकड़ निजी भूमि शामिल है। इसका प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है।

1 जुलाई से मुफ्त में अपडेट होगी ईमेल आईडी

भोपाल। यदि आपके आधार कार्ड में अभी तक ईमेल आईडी अपडेट नहीं है या आप उसे बदलना चाहते हैं, तो आपके लिए एक बेहद अच्छी और राहत भरी खबर है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण यानि यूआईडीएआई ने एक नया नोटिफिकेशन जारी करते हुए आधार कार्ड के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। इस नए नियम के तहत अब आधार कार्ड पर ईमेल आईडी अपडेट कराने के लिए नागरिकों को कोई शुल्क नहीं देना होगा, यह सेवा पूरी तरह से मुफ्त कर दी गई है। यह नया नियम आगामी एक जुलाई से पूरे देश के साथ-साथ ग्वालियर-चंबल अंचल में भी लागू होने जा रहा है। सरकार के इस कदम से उन करोड़ों लोगों को सीधा फायदा मिलेगा जो अपने आधार को डिजिटल रूप से अधिक सुरक्षित और अपडेटेड रखना चाहते हैं। मुफ्त में ईमेल अपडेट छह महीने तक कर सकते हैं। छह महीने के लिए खुली है मुफ्त सुविधा की खिडकी यूआईडीएआई द्वारा जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, आम जनता को सहूलियत देने के लिए प्रशासन ने छह महीने की एक विशेष समय-सीमा तय की है। इसके अंतर्गत, नागरिक जुलाई से लेकर दिसंबर तक कभी भी अपनी ईमेल आईडी को आधार कार्ड में बिल्कुल मुफ्त में अपडेट करवा सकते हैं। आपको बता दें कि इस नए नियम के लागू होने से पहले तक, आधार कार्ड में ईमेल आईडी जुड़वाने या उसमें किसी भी तरह का संशोधन कराने के लिए उपभोक्ताओं को 75 रुपये का निर्धारित शुल्क देना पड़ता था।

नामदेव समाज विकास परिषद की 202 सदस्यीय नई प्रांतीय कार्यकारिणी घोषित

संगठन विस्तार और सामाजिक जनगणना अभियान को मिलेगी नई गति

भोपाल। नामदेव समाज विकास परिषद, मध्यप्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार नामदेव (गाडरवारा) ने वर्ष 2026- 2029 के लिए 202 सदस्यीय नवीन प्रांतीय कार्यकारिणी की घोषणा की है। परिषद के प्रांतीय मीडिया प्रभारी शिवरतन नामदेव ने बताया कि 17 मई 2026 को भोपाल स्थित संत नामदेव सामुदायिक भवन में आयोजित प्रांतीय अधिवेशन एवं निर्वाचन प्रक्रिया के सफल समापन के बाद नई प्रबंधकारिणी का गठन किया गया, जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। प्रांतीय अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार नामदेव ने कहा कि वर्ष 1973 में स्थापित परिषद पिछले 53 वर्षों से समाज के सामाजिक, शैक्षणिक, धार्मिक और सांस्कृतिक उत्थान के लिए कार्यरत है। संगठन को अधिक मजबूत और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से प्रदेश के सभी संभागों और जिलों को प्रतिनिधित्व देते हुए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही संभागीय कार्यकारिणियों का गठन किया जाएगा। साथ ही वर्ष 2026झ27 में समाज की वास्तविक जनसंख्या तथा सामाजिक-आर्थिक स्थिति के प्रामाणिक आंकड़े जुटाने के लिए व्यापक सामाजिक जनगणना अभियान चलाया जाएगा। परिषद ने

हर घर परिषद अभियान के माध्यम से प्रदेश के प्रत्येक नामदेव परिवार को संगठन से जोड़ने का लक्ष्य भी निर्धारित किया है। प्रांतीय महामंत्री सुभाष चंद्र वर्मा (इंदौर) एवं कोषाध्यक्ष भीकम सिंह नामदेव (भोपाल) ने कहा कि परिषद समाजहित के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाएगी। युवा, महिला, कौशल विकास और स्वरोजगार प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों से शीघ्र कार्यकारिणी गठन का आग्रह किया गया है। साथ ही संत शिरोमणि श्री नामदेव महाराज की जयंती श्रद्धा एवं भव्यता के साथ मनाने तथा उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक सहभागिता और सेवा-भावना के बल पर परिषद समाज के सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी।

हाईकोर्ट में फैसला लंबित, फिर भी सरकार ने तेज की प्रमोशन की तैयारी

29 जून को 19 विभागों की अहम बैठक, 4.50 लाख कर्मचारियों की उम्मीदें फिर जगीं

भोपाल। मध्य प्रदेश में पिछले करीब दस वर्षों से पदोन्नति का इंतजार कर रहे लाखों सरकारी कर्मचारियों के लिए एक बार फिर उम्मीद की किरण दिखाई दी है। जबलपुर हाईकोर्ट में पदोन्नति नियम-2025 को चुनौती देने वाली याचिका लंबित होने और फैसले के इंतजार के बीच राज्य सरकार ने एक साल बाद फिर से प्रमोशन प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी तेज कर दी है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने 29 जून को मंत्रालय में 19 विभागों के अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। बैठक का मुख्य एजेंडा मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 के तहत विभिन्न संवर्गों के लिए एक्स और वाय मान तय करने पर चर्चा करना है। यह वही प्रक्रिया है, जिसके आधार पर भविष्य में विभागीय पदोन्नति समितियों (डीपीसी) की बैठकें आयोजित करने का रास्ता साफ होगा। सूत्रों के अनुसार, मुख्य सचिव कार्यालय ने हाल ही में इस पूरे मामले पर प्रदेश के महाधिवक्ता से कानूनी राय ली

थी। महाधिवक्ता ने सरकार को पदोन्नति प्रक्रिया आगे बढ़ाने की सलाह दी है। इसके बाद सरकार ने विधि एवं विधायी कार्य विभाग से भी औपचारिक परामर्श मांगा है। एक साल बाद फिर सक्रिय हुआ जीएडी मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में विभागों को पदोन्नति प्रक्रिया शुरू करने की तैयारियां करने के निर्देश दिए गए थे। इसके तुरंत बाद सामान्य प्रशासन विभाग सक्रिय हो गया और विभिन्न विभागों को बैठक के लिए निर्देश जारी कर दिए। जीएडी ने सभी विभागों से कहा है कि उप सचिव स्तर से नीचे के स्थापना अधिकारी को बैठक में भेजा जाए। बैठक में विभाग अपने-अपने संवर्गों की स्थिति, स्वीकृत पद, रिक्तियां, पदोन्नति की आवश्यकता और एक्स एवं वाय निर्धारण के प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे। इन प्रस्तावों के आधार पर शासन स्तर पर आगे की प्रक्रिया तय होगी। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 में पहली बार एक्स और वाय का प्रावधान किया गया है। इन मानकों के आधार पर आरक्षित वर्ग के प्रतिनिधित्व और प्रशासनिक दक्षता के बीच संतुलन बनाते हुए पदोन्नति का निर्धारण किया जाएगा। नियमों के अनुसार अनुसूचित जनजाति के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान रहेगा। अनुसूचित जाति के लिए 16 प्रतिशत आरक्षण रहेगा। एक्स और वाय का मान सामान्यतः 1-1 रहेगा। यदि किसी संवर्ग में अलग मान तय करना होगा तो मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली समिति से अनुमोदन लेना होगा। यह निर्धारण पांच वर्षों तक प्रभावी रहेगा। दस साल से अटकी है पदोन्नति प्रदेश में वर्ष 2016 से कर्मचारियों की पदोन्नति लगभग ठप है। इसका कारण पदोन्नति में आरक्षण से जुड़े मामलों का सुप्रीम कोर्ट में लंबित होना रहा। लगातार बढ़ते दबाव और कर्मचारियों की नाराजगी को देखते हुए मोहन सरकार ने 17 जून 2025 को नया मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 लागू किया था। सरकार के इस फैसले के बाद विभागों ने डीपीसी की तैयारियां शुरू कर दी थीं, लेकिन सामान्य वर्ग के कुछ कर्मचारियों ने नए नियमों को चुनौती देते हुए जबलपुर हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी। पहली सुनवाई में ही लग गई थी रोक जबलपुर हाईकोर्ट ने 7 जुलाई 2025 को पहली ही सुनवाई में अगली सुनवाई तक पदोन्नति प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी। इसके बाद प्रदेश के सभी 54 विभागों में प्रमोशन की प्रक्रिया ठप हो गई। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विनय सराफ की खंडपीठ ने मामले की विस्तृत सुनवाई के बाद 17 फरवरी 2026 को फैसला सुरक्षित रख लिया था। हालांकि फैसला आने से पहले ही मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश नियुक्त हो गए, जबकि न्यायमूर्ति विनय सराफ का तबादला इंदौर पीठ हो गया। दोनों न्यायाधीशों के स्थानांतरण के कारण सुरक्षित फैसला घोषित नहीं हो सका। अब इस मामले की सुनवाई नई पीठ के समक्ष दोबारा शुरू होगी। प्रमोशन की उम्मीद बढ़ी प्रदेश में करीब 4.50 लाख सरकारी कर्मचारी वर्षों से पदोन्नति का इंतजार कर रहे हैं।

|| संपादकीय ||

बड़ा मिशन लेकर सेशेल्स जा रहे हैं मोदी, हिंद महासागर में भारत का मास्टरस्ट्रोक देखेगी दुनिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 27 से 29 जून तक होने वाली सेशेल्स यात्रा हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की सामरिक सक्रियता और वैश्विक भूमिका को नई दिशा देने वाली महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल मानी जा रही है। सेशेल्स के राष्ट्रीय दिवस की स्वर्ण जयंती में मुख्य अतिथि के रूप में मोदी की भागीदारी यह संकेत देती है कि भारत अब हिंद महासागर में अपने मित्र देशों के साथ सुरक्षा, विकास और समुद्री सहयोग को और मजबूत करने की रणनीति पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

हम आपको बता दें कि सेशेल्स 115 द्वीपों वाला छोटा द्वीपीय राष्ट्र है, लेकिन इसकी भौगोलिक स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह मोजाम्बिक चैनल के निकट उन समुद्री मार्गों पर स्थित है, जहां से विश्व व्यापार का बड़ा हिस्सा गुजरता है। इसी कारण अमेरिका, चीन और यूरोपीय शक्तियां भी इस क्षेत्र में प्रभाव बढ़ाने का प्रयास कर रही हैं। ऐसे समय में भारत का सेशेल्स के साथ संबंध मजबूत करना हिंद महासागर में शक्ति संतुलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हम आपको बता दें कि भारत की महासागर दृष्टि के अंतर्गत सेशेल्स को विशेष स्थान प्राप्त है। भारत अब केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि वह पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में एक भरोसेमंद सुरक्षा साझेदार की भूमिका निभा रहा है। सेशेल्स का कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन में पूर्ण सदस्य बनने का संकेत भी इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इस समूह में भारत, मालदीव, मॉरीशस और श्रीलंका पहले से शामिल हैं। यदि सेशेल्स भी पूर्ण सदस्य बनता है, तो हिंद महासागर में भारत के नेतृत्व वाली क्षेत्रीय सुरक्षा संरचना और मजबूत होगी।

हम आपको बता दें कि मोदी और सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हरमिनी के बीच होने वाली वार्ता में रक्षा सहयोग के साथ ऊर्जा, स्वास्थ्य, डिजिटल शासन, समुद्री निगरानी और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे विषयों पर भी चर्चा होगी। फरवरी 2026 में भारत ने सेशेल्स के लिए 175 मिलियन डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की थी, जिसमें ऋण सहायता और अनुदान दोनों शामिल हैं। इसके अंतर्गत स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, सौर ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा और आधारभूत ढांचे से जुड़ी अनेक परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। यह दर्शाता है कि भारत केवल सामरिक हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह विकास साझेदारी के माध्यम से भी अपने मित्र देशों के साथ दीर्घकालिक संबंध बना रहा है।

हम आपको बता दें कि भारत और सेशेल्स के संबंध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत गहरे हैं। वर्ष 1770 में भारतीयों का पहला समूह वहां पहुंचा था। आज लगभग 15 हजार भारतीय मूल के लोग वहां रहते हैं, जो कुल जनसंख्या का बड़ा हिस्सा हैं। गुजराती और तमिल समुदाय व्यापार, निर्माण और अन्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मोदी का भारतीय समुदाय से संवाद दोनों देशों के सामाजिक संबंधों को और मजबूत करेगा।

यह यात्रा वैश्विक राजनीति के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। पिछले कुछ वर्षों में चीन ने हिंद महासागर क्षेत्र में अपने प्रभाव का तेजी से विस्तार किया है। चीन की समुद्री परियोजनाएं, बंदरगाह निवेश और सामरिक उपस्थिति भारत के लिए चिंता का विषय रही हैं। ऐसे में सेशेल्स जैसे देशों के साथ भारत का गहरा सहयोग यह स्पष्ट संदेश देता है कि हिंद महासागर में भारत अपनी पारंपरिक भूमिका को और सशक्त बना रहा है। भारत की नीति अब केवल "पड़ोसी प्रथम" तक सीमित नहीं रही, बल्कि वह "ग्लोबल साउथ" के नेतृत्वकर्ता के रूप में भी उभरना चाहता है। सेशेल्स यात्रा इसी व्यापक रणनीतिक सोच का हिस्सा है।

इस यात्रा का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि प्रधानमंत्री मोदी सेशेल्स की राष्ट्रीय सभा के विशेष अधिवेशन को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री होंगे। यह दोनों देशों के राजनीतिक विश्वास और घनिष्ठता का प्रतीक माना जा रहा है। भारतीय नौसेना के युद्धपोतों और रक्षा दल की भागीदारी भी यह दिखाती है कि दोनों देशों के संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि रणनीतिक साझेदारी में बदल चुके हैं।

बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी की सेशेल्स यात्रा हिंद महासागर में भारत की बढ़ती सामरिक शक्ति, समुद्री सुरक्षा नीति और वैश्विक प्रभाव का महत्वपूर्ण संकेत है। यह यात्रा भारत को क्षेत्रीय सुरक्षा संरचना के केंद्र में स्थापित करने के साथ-साथ चीन की बढ़ती सक्रियता के बीच संतुलन बनाने में भी सहायक होगी। विकास सहायता, रक्षा सहयोग, सांस्कृतिक संबंध और समुद्री साझेदारी के माध्यम से भारत यह संदेश दे रहा है कि वह हिंद महासागर क्षेत्र में स्थिरता, सुरक्षा और साझा समृद्धि का सबसे भरोसेमंद साझेदार बनना चाहता है।

स्मार्टफोन की चमकीली दुनिया और बेबस होते माता-पिता

> जब हम बच्चे थे, तो गर्मियों की छुट्टियों की एक अलग ही जादुई दुनिया हुआ करती थी। हम खुले आसमान के नीचे छत पर सोते थे, टिमटिमाते तारों को निहारते हुए परिवार से बतियाते थे। हम सूरज उगने से पहले उठ जाते थे, जहाँ पक्षियों की चहचहाहट और भोर की ताजी हवा एक नए उत्साह के साथ हमारा स्वागत करती थी।

रात के एक या दो बजे का समय है। पूरे घर में अंधेरा पसरा है, सिवाय एक बेडरूम के दरवाजे के नीचे से छनकर आती मोबाइल की उस धुंधली नीली रोशनी के। आधी रात को माँ की आँख खुलती है। वह पानी पीने के लिए उठती है और सहज भाव से अपने बच्चे के कमरे में झांकती है।

वहाँ वो बिस्तर पे बैठा हैं-हाथ में मोबाइल है और कानों में हेडफोन मजबूती से जड़े हैं। स्क्रीन पर कुछ न कुछ चल रहा है; कोई गेम पूरे जोर से चल रहा है। वक्त का होश तो जैसे पूरी तरह खो चुका है।

'तुम अभी तक सोए नहीं?' स्वाभाविक रूप से एक थका हुआ, चिंतित सवाल हवा में तैरता है।

'बस मम्मा, थोड़ा सा बाकी है। अगले पाँच-दस मिनट में पक्का सो रहा हूँ,' उधर से रटा-रटाया जवाब आता है।

वे दस मिनट कब दो घंटों में बदल जाते हैं, कोई नहीं जानता। आखिरकार नींद आ ही जाती है, पर कब? इसका सटीक हिसाब किसी के पास नहीं होता। आज देश-दुनिया के अधिकांश घरों में हर रात यही कहानी दोहराई जा रही है।

इसे भी पढ़ें: स्मार्टफोन संयमित उपयोग की वैश्विक जरूरत

अगले दिन फिर वही चक्र चलता है: दिन के ग्यारह या बारह बजे तक सोए रहना, और कई बार टोकने के बाद ही बिस्तर छोड़ना। जब वे आखिरकार उठते हैं, तो एक हाथ में फोन और दूसरे हाथ में कॉफी का कप होता है। शरीर तो जाग जाता है, लेकिन दिन की जो एक प्राकृतिक लय होती है, वह पूरी तरह दम तोड़ चुकी होती है। रात भर जागना, दोपहर में आँखें खोलना, और भोर होने तक लैपटॉप या मोबाइल की स्क्रीन को टकटकी लगाकर ताकते रहना ही अब 'नया नॉर्मल' बन गया है।

समय बदलता है, तकनीक आगे बढ़ती है और जीवनशैली उसके अनुसार ढल जाती है। यहाँ तक तो सब ठीक है। लेकिन मानव शरीर की बुनियादी जरूरतें नहीं बदलतीं। मानवीय जिस्म को शारीरिक आराम की दरकार होती है। मन को गहरी, सुकून भरी नींद मिलनी चाहिए। आँखों को अंधेरे की और दिमाग को खुद को दोबारा तरोताजा व व्यवस्थित करने के लिए शांत समय की आवश्यकता होती है।

मगर आज की पीढ़ी मानो अपने ही बायोलॉजी से युद्ध लड़ रही है। उन्हें शायद यह मुगालता हो गया है कि ढेर सारी तकनीक और डेटा के दम पर वे इंसानी शरीर के नियमों को मात दे सकते हैं और

अपनी जैविक घड़ी (बायो-रिदम) को ठेंगा दिखा सकते हैं।

जब हम बच्चे थे, तो गर्मियों की छुट्टियों की एक अलग ही जादुई दुनिया हुआ करती थी। हम खुले आसमान के नीचे छत पर सोते थे, टिमटिमाते तारों को निहारते हुए परिवार से बतियाते थे। हम सूरज उगने से पहले उठ जाते थे, जहाँ पक्षियों की चहचहाहट और भोर की ताजी हवा एक नए उत्साह के साथ हमारा स्वागत करती थी। हमारे दिन खेलने, किताबें पढ़ने, गलियों में घूमने और आपस में बातें करने में बीतते थे।

आज, कई बच्चे भूल चुके हैं कि सूर्योदय असल में कैसा दिखता है। वे सुबह की उस शांत लहर और चिड़ियों के चहकने के सीधे गवाह ही नहीं बन पाते। इस बदलाव का दुख सिर्फ पुरानी यादों का रोना नहीं है; बल्कि यह उनके स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और आने वाले कल को लेकर एक सच्ची और गहरी चिंता है।

आज के किशोरों ने वक्त के पहिये को ही उलट दिया है-रात को दिन और दिन को रात बना डाला है। माता-पिता होने के नाते, हम मूकदर्शक बनकर यह सब देखते हैं। शुरुआत में हम टोकते हैं। प्यार से समझाते हैं। फिर, हम इसके बुरे नतीजों से आगाह करने की कोशिश करते हैं। अपनी बातें बार-बार दोहराते हैं। कभी गुस्सा फूटता है, तो कभी हम मिन्नतें करने लगते हैं। लेकिन आज के बच्चों के पास पलटवार करने के लिए पहले से रिकॉर्डेड जवाबों का एक पूरा तरकश तैयार रहता है:

'हमें सब पता है।'

'आप फालतू में चिंता मत करो।'

'आजकल सब लोग ऐसा ही करते हैं।'

'हमारी पीढ़ी की जिंदगी आपसे अलग है।'

इन दुत्कार भरे जवाबों को रोज-रोज सुनकर माता-पिता आखिरकार घुटने टेक देते हैं और चुप हो जाते हैं। मगर उनका मन शांत नहीं होता। वे अपने तजुर्बे से जानते हैं कि अगर आप अपने शरीर के साथ खिलवाड़ करेंगे, तो देर-सबेर आपको इसकी भारी कीमत चुकानी ही पड़ेगी। बीस या पच्चीस साल की उम्र में इंसान खुद को अजेय समझता है, लगता है कुछ नहीं होगा। लेकिन नींद की यह लगातार कमी, बेपटरी हो चुकी दिनचर्या, शारीरिक मेहनत से दूरी और स्क्रीन के सामने घंटों गुजारने के ये छोटे-छोटे बीज जो चुपचाप बोए जा रहे हैं; वक्त के साथ, वे पनपते हैं और एक गंभीर शक्ल अख्तियार कर लेते हैं। स्वभाव में चिड़चिड़ापन घर कर जाता है। एकाग्रता टूटने लगती है। जीवन का उत्साह और ऊर्जा फीकी पड़ जाती है। अपनों से बातचीत का दायरा सिमटने लगता है, आत्मविश्वास डगमगा जाता है, और सबसे दुखद बात यह है कि जिंदगी की छोटी-छोटी मासूम खुशियाँ काफूर होने लगती हैं।

फिर भी, माता-पिता के लिए सबसे बड़ी त्रासदी इन नतीजों को देखना नहीं है; बल्कि यह जानलेवा अहसास है कि वे अब चाहकर भी अपने बच्चों के दिल तक नहीं पहुँच पा रहे हैं, उनसे संवाद के सारे रास्ते बंद हो चुके हैं।

हर पीढ़ी को लगता है कि उनके माता-पिता उन्हें समझ नहीं पाते। लेकिन सच तो यह है कि माता-पिता अपनी पूरी जिंदगी ही बच्चों को समझने के नाम कर देते हैं। वे एक अबोध बच्चे के रोने की वजह पहचान लेते हैं। वे स्कूल के दिनों की अनकही उलझनों और घबराहट को भांप लेते हैं। वे बच्चे की पहली नाकामी का दर्द खुद महसूस करते हैं और उनके पहले प्यार की धड़कन को पहचानते हैं। यहाँ तक कि जब बच्चे पूरी तरह खामोश होते हैं, तब भी माता-पिता सिर्फ उनका चेहरा देखकर उनके भीतर का हाल पढ़ लेते हैं।

फिर एक दिन ऐसा आता है जब वही बच्चे बड़े हो जाते हैं, और सीधे आँखों में आँखें डालकर कह देते हैं, 'आप कुछ नहीं समझते !'

यह एक जुमला माता-पिता के कलेजे को सबसे गहरा घाव देता है। माता-पिता अपने बच्चों के दुश्मन नहीं होते; वे तो उनके सपनों के सबसे सच्चे और पहले गवाह होते हैं। वे उनकी कामयाबी के लिए सबसे पहले दुआ मांगते हैं और जब बच्चा नाकाम होता है, तो अंदर से टूटने वाले भी वही पहले शख्स होते हैं। वे बच्चों की बीमारी में रात-रात भर जागते हैं और बच्चों की छोटी सी जीत का जश्न खुद की किसी भी कामयाबी से बढ़कर मनाते हैं।

जब कोई माँ या पिता बच्चे को रात भर जागने से मना करते हैं, तो यह उन्हें अपनी उंगलियों पर नचाने या नियंत्रित करने की चाहत नहीं होती। यह विशुद्ध प्यार से जनम लेता है। यह उनके तजुर्बे, फिक्र और एक बेहद निस्वार्थ डर से पैदा होता है कि: 'जो परेशानियां मैंने देखीं, मेरा बच्चा उनसे न जूझे।'

लेकिन जब तमाम कोशिशों और अंतहीन बातचीत के बाद भी कुछ नहीं बदलता, तो माता-पिता धीरे-धीरे अपनी एक खामोश दुनिया में सिमट जाते हैं। बच्चे अक्सर इस चुप्पी को उनकी बेरुखी या लापरवाही मान लेते हैं, उन्हें लगता है कि अब मम्मी-पापा को कोई फर्क नहीं पड़ता। मगर हकीकत इसके उलट होती है; वे फिक्र से मरे जा रहे होते हैं। बस, वे इस कड़वे सच को स्वीकार कर चुके होते हैं कि अब शब्दों की ताकत जवाब दे चुकी है, और अब जिंदगी की ठोकरें ही खुद उनकी संतान को सबक सिखाएंगी।

यह चुप्पी कोई हार नहीं है; यह एक बेहद दुखद और लाचार स्वीकारोक्ति है। एक भारी बेबसी। जिस दिन माता-पिता बहस करना बंद कर देते हैं, उस दिन से उनकी चिंताएं कम नहीं होतीं- बल्कि वे और ज्यादा बढ़ जाती हैं। क्योंकि 'माता-पिता' होना एक ऐसी उम्रकैद है, जहाँ बच्चे भले ही पचास साल के हो जाएं, उनके लिए फिक्र कभी खत्म नहीं होती। उम्र के साथ बस डर का स्वरूप बदल जाता है, पर वह दिल से कभी विदा नहीं लेता।

इसीलिए, आज की इस नई और युवा पीढ़ी से मेरी एक ही गुजारिश है:

यह बिल्कुल जरूरी नहीं है कि आप अपने माता-पिता की हर बात को पत्थर की लकीर मानें। आप उनकी हर राय से पूरी तरह सहमत हों, यह भी आवश्यक नहीं है। आपके अपने विचार होने चाहिए, अपने फैसले खुद लीजिए और अपनी जिंदगी को अपने तरीके से ही जिएं।

अगर इस कायनात में कोई सचमुच निस्वार्थ और पवित्र प्यार है, तो वह केवल माता-पिता का है। कभी-कभी यह किसी उबाऊ भाषण जैसा लग सकता है। कभी-कभी यह बेजा चिंता या तीखी बहस का रूप ले लेता है। लेकिन कभी-कभी, यही प्यार पूरी शिद्दत के साथ एक मुकम्मल खामोशी के जरिए खुद को बयां करता है। यह ताउम्र रहने वाली फिक्र ही उनके प्यार की सबसे सच्ची जुबान है, और हमेशा रहेगी।

- नितिन कुलकर्णी IAS

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

समझौता कैसे होगा?

भारत के संदर्भ में 25 जून का दिन अलोकतांत्रिक, दमनकारी, तानाशाही आपातकाल का है, लेकिन वैश्विक स्तर पर भी आपात स्थितियां बनी हैं, क्योंकि अमरीका और ईरान के बीच सब कुछ विरोधाभासी ही है। दोनों देशों ने 14 बिंदुओं वाले सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन संवाद ठहरा है अथवा मध्यस्थों के साथ जारी है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप बार-बार विनाशक हमले की धमकियां दे रहे हैं। वहां के अधिकतर लोग मानते हैं कि ईरान युद्ध में अमरीका पराजित हुआ है। सहमति-पत्र में लगभग सभी ईरानी शर्तें अमरीका को माननी पड़ी हैं। सीनेट में भी ट्रंप हार गए हैं, क्योंकि अमरीकी संसद ने 'वॉर पॉवर्स' संबंधी प्रस्ताव पारित कर लिया है। अब संसद की पूर्व अनुमति के बिना राष्ट्रपति ट्रंप किसी भी युद्ध में कूद नहीं सकते। बहरहाल ट्रंप की धमकियों पर ईरान भी पलटवार को तैयार है। उनके सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई का एक सीक्रेट पत्र लीक हुआ है, जिसमें साफ आदेश है कि अमरीका के साथ बातचीत तुरंत रोक दें। इसी जंगी माहौल में ईरान ने 'कादिर' बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। अमरीका और ईरान युद्ध के मोर्चों पर सैन्य तौर पर तैनात हैं। क्या ऐसे समझौता संभव है? ईरान और इजरायल एक बार फिर एक-दूसरे पर विध्वंसक हमले करने की तैयारी-तैनाती में हैं। राष्ट्रपति ट्रंप लेबनान पर हमले रोकने के लिए इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू पर दबाव नहीं बना सके हैं। इजरायल हवाई बमबारी कर दक्षिण लेबनान में तबाही और विध्वंस को जारी रखे है। लगातार हत्याएं की जा रही हैं, लोग विस्थापित होने को मजबूर हैं, लेकिन ट्रंप सिर्फ ईरान को धमकाते रहते हैं कि समझौता नहीं हुआ, तो पहले से ज्यादा विध्वंसक हमले झेलने पड़ेंगे। ईरान पहले ही बर्बाद हो चुका है। राष्ट्रपति ट्रंप की धमकियों के कारण ही समझौते का संवाद 24 घंटे भी जारी नहीं रह सका है। ईरानी दल ने अमरीकी दल से न तो हाथ मिलाया, न ही संयुक्त फोटो खिंचवाई, बल्कि वार्ता-सभागार से वॉकआउट कर गया। ईरान ने मध्यस्थों को साफ कर दिया कि वे अमरीका के साथ इस तरह बातचीत नहीं करेंगे।

तो क्या समझौता नहीं होगा? अधिक मौजू सवाल यह है कि जिस तरह ट्रंप ईरान को हडक़ाए रखना चाहते हैं, उसके मद्देनजर अंतिम समझौता कैसे होगा? अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति वेंस ने ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों, यूरेनियम के संवर्धन और अमरीकी सामान खरीदने की बाध्यता पर जो बयान दिए हैं, ईरान ने उनका खंडन किया है। ईरान ने अमरीका और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) को साफ कह दिया है कि परमाणु स्थलों का निरीक्षण अंतिम समझौता होने के बाद ही संभव हो सकता है। ईरानी दल ने स्विट्जरलैंड में आईएईए प्रमुख राफेल ग्रोसी से मुलाकात करने से भी इंकार कर दिया है। अमरीका और ईरान के दरमियान इतने विरोधाभास हैं कि सवाल स्वाभाविक लगता है कि इस तरह अंतिम समझौता कैसे होगा? समझौता होगा भी अथवा नहीं? 'व्हाइट हाउस' ने एक महत्वपूर्ण निर्णय के तहत ईरानी तेल को पाबंदियों से मुक्त कर दिया है। 1979 के बाद अमरीका ने यह ऐतिहासिक फैसला लिया है। बेशक ईरान वार्ता के 60 दिनों तक ही तेल की आजादी महसूस करेगा, फिर भी उसकी अर्थव्यवस्था के लिए यह अति महत्वपूर्ण निर्णय है। ईरान हमेशा पाबंदी-मुक्त रहे, यह बिंदु भी सहमति-पत्र में है। यदि समझौता हुआ, तो ईरान को हमेशा के लिए पाबंदी-मुक्त करना ही पड़ेगा। बहरहाल ईरान इस दौरान 40-43 अरब डॉलर का तेल बेच सकेगा। इसी के मद्देनजर भारत ने भी ईरान से 38.85 लाख बैरल तेल खरीदा है। संभव है कि दोनों देशों के बीच नया करार हो जाए! भारत के 11 जहाज, टैंकर होर्मुज को पार कर निकले हैं, जिनमें कच्चा तेल, एलएनजी, एलपीजी और खाद लदी है। अभी 10 और भारतीय जहाज वहां फंसे हैं। वे भी 60 दिन की इस अवधि में तेल-गैस आदि लेकर लौट सकते हैं।

टेक्नोलॉजी

90% Android यूजर्स करते हैं ये बड़ी गलती! इन 5 App Permissions को तुरंत हटाएं वरना हो सकता है नुकसान

: आज कल इस डिजिटल दुनिया में लोग स्मार्टफोन का इस्तेमाल ज्यादा करते हैं. वहीं, स्टोर पर आजकल इतने ऐप्स मौजूद हैं जिनकी मदद से लोग अपने कामों को आसान बना लेते हैं. खाना ऑर्डर करने से लेकर टिकट बुकिंग तक, आज सभी काम ऐप्स के जरिए हो जाता है.

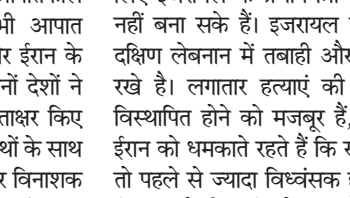

लेकिन अक्सर देखा गया है कि लोग अपने डिवाइस में नया ऐप इंस्टॉल करते समय कई सारे परमिशन को ऑन कर देते हैं जिससे जाने-अनजाने में आपकी निजी जानकारी ऐप्स के पास पहुंच जाती है. इसीलिए आज हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही 5 ऐप परमिशन के बारे में जिन्हें आपको तुरंत ही बंद कर देना चाहिए.

आज कल कोई भी ऐप इंस्टॉल करते समय वह आपसे आपकी लोकेशन का एक्सेस मांगता है. कई ऐप्स Allow all the time लोकेशन परमिशन मांगते हैं. ऐसे में अगर आपने ये परमिशन दे दी तो ऐप बैकग्राउंड में आपकी हर एक्टिविटी को ट्रैक करता रहेगा. इसीलिए अगर ऐप को हर समय लोकेशन की जरूरत नहीं है तो While using the app या Don't Allow ऑप्शन को चुनना चाहिए.

बता दें कि कुछ गेम, फोटो एडिटर या नॉर्मल दिखने वाले ऐप्स भी Contacts की परमिशन मांगते हैं. हालांकि, इन ऐप्स को कॉन्टेक्ट्स की कोई जरुरत नहीं है लेकिन फिर भी वह इनकी परमिशन मांगते हैं. इससे आपके फोन में सेव नंबरों की जानकारी इन ऐप्स तक पहुंच जाती है. इससे बचने के लिए सिर्फ मैसेजिंग या कॉलिंग ऐप्स को ही Contacts Access दें. बाकी सभी ऐप्स से यह परमिशन हटा दें.

Microphone Permission - इसके अलावा कई ऐप्स माइक्रोफोन एक्सेस भी मांगते हैं जबकि उनका वॉइस रिकॉर्डिंग से कोई संबंध नहीं होता. ऐसे में जरूरत से ज्यादा माइक्रोफोन परमिशन आपकी प्राइवेसी के लिए खतरा बन सकती है. इसीलिए केवल वीडियो कॉल, रिकॉर्डिंग या वॉइस असिस्टेंट जैसे जरूरी ऐप्स को ही Microphone की परमिशन देनी चाहिए.

Camera Permission -आज कल कैमरा परमिशन को भी कई ऐप्स एक्सेस कर लेते हैं जो आपकी प्राइवेसी के लिए खतरा बन सकती है. ऐसे में अगर कोई ऐप कैमरे का इस्तेमाल नहीं करता फिर भी Camera Permission मांग रहा है तो सतर्क हो जाएं. बेमतलब का कैमरा एक्सेस देना आपके लिए जोखिम भरा हो सकता है.

SMS और Phone Permission - कुछ ऐप्स SMS पढ़ने, भेजने या कॉल मैनेज करने की परमिशन मांगते हैं. गलत ऐप को यह एक्सेस देने से OTP, मैसेज और कॉल से जुड़ी आपकी संवेदनशील जानकारी खतरे में पड़ सकती है. इसीलिए SMS और Phone Permission केवल बैंकिंग, डिफॉल्ट मैसेजिंग या कॉलिंग जैसे भरोसेमंद ऐप्स को ही दें.

App Permissions कैसे चेक करें? - आप अपने स्मार्टफोन में ऐप्स परमिशन को आसानी से चेक कर सकते हैं. इसके लिए इन स्टेप्स को फॉलो करें.

Settings खोलें.

Apps या App Management में जाएं.

Permissions ऑप्शन चुनें.

Camera, Microphone, Location, Contacts और SMS जैसी सभी परमिशन को अच्छे से चेक करें. अब यहां पर जिन ऐप्स को इनकी जरूरत नहीं है, उनकी परमिशन तुरंत बंद कर दें.

जनरल नॉलेज

न सूरज की धूप, न खुला आसमान; फिर भी सदियों से जमीन के नीचे आबाद है ये खूबसूरत दुनिया

जब भी कम किसी खूबसूरत शहर की कल्पना करते हैं, तो दिमाग में चमचमाती ऊंची इमारतें, खुला आसमान और चौड़ी सड़कें शामिल होती हैं. जहां पर लोग आसानी से रह सकें, आराम से आ-जा सकें और अपने रोजमर्रा के काम कर सकें. लेकिन धरती पर कुछ ऐसी जगहें भी हैं, जहां पर इंसानों ने आसमान और खुली धरती को छोड़कर पाताल की गोद में दुनिया बसा ली है. दुनिया के अलग-अलग कोनों में ऐसी कई खूबसूरत और रहस्यमयी दुनिया धरती के अंदर है, जिसे देखने के बाद आधुनिक इंजीनियर दांतों तले उंगली दबा लें, चलिए उसके बारे में जानें.

तुर्किए का डेरिनकुयू अंडरग्राउंड सिटी - तुर्किए में डेरिनकुयू अंडरग्राउंड सिटी बनी हुई है. यह इतिहास का ऐसा पन्ना है, जिसे देखने के बाद हर कोई हैरान हो सकता है. यह जमीन के अंदर एक या दो मंजिल नहीं, बल्कि कई मंजिलों तक गहराई में बसा हुआ है. जानकारों की मानें तो पुराने समय में जब भी दुश्मनों का हमला होता होगा, तो बड़ी संख्या में लोग अपनी जान बचाने के लिए इस भूमिगत शहर में छिप जाते होंगे. यहां के कमरे पत्थरों को काटकर बनाए गए हैं, जो कि छोटे लेकिन खूबसूरत हैं. इसमें पानी की सुचारु व्यवस्था, शुद्ध हवा के लिए गुप्त सुरंगें उस दौर के लोगों की बेमिसाल सूझबूझ की गवाही देती हैं.

ऑस्ट्रेलिया का कूबर पेडी - जमीन के नीचे रहने की एक खूबसूरत और दिलचस्प कहानी ऑस्ट्रेलिया के कूबर पेडी में भी देखने को मिलती है. इस इलाके में इतनी गर्मी पड़ती है कि इंसानों का जमीन की सतह पर रहना दूभर हो जाता है. इसके लिए यहां पर लोग जमीन के नीचे आशियाना बनाकर रहते हैं. आज इस जगह पर सिर्फ साधारण मकान ही नहीं, बल्कि आलीशान होटल, खूबसूरत चर्च, बड़े-बड़े कैफे और दुकानें भी जमीन के नीचे चल रहे हैं. यहां बिना एसी के भी कुदरती ठंड रहती है.

चीन का दीक्सिया चेंग - चीन की राजधानी बीजिंग में दीक्सिया चेंग कोई प्राकृतिक गुफा नहीं, बल्कि इंसानों के लिए तैयार किया गया एक रक्षा तंत्र है. इसको शीत युद्ध में संभावित परमाणु हमले और बमबारी से लाखों नागरिकों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से सरकार ने बनवाया था. उस वक्त इसके अंदर स्कूल, अस्पताल, अनाज रखने के लिए गोदाम और बड़े-बड़े हॉल तैयार किए गए थे. आज पर्यटक इसे देखने के लिए आते हैं.

कनाडा का रेसो - कनाडा के मॉन्ट्रियल शहर में बना रेसो प्राचीन काल नहीं, बल्कि आधुनिक वास्तुकला की प्लानिंग का नमूना है. कनाडा में सर्दियों के मौसम में इतनी ठंड और बर्फ पड़ती है कि जनजीवन रुक सा जाता है. इस समस्या से निपटने के लिए वैज्ञानिकों ने पाताल में एक पूरा शहर ही बसा दिया. इस जगह के अंदर चमचमाते ऑफिस, शॉपिंग मॉल, वीआईपी होटल और मेट्रो स्टेशन सब आपस में जुड़े हुए हैं.

पोलैंड का विलिज्का साल्ट माइन - पोलैंड का विलिज्का साल्ट माइन दुनिया की सबसे पुरानी और खूबसूरत नमक की खदानों मे से एक है, जो कि अब एक पर्यटन स्थल बन गई है, जमीन के नीचे सैकड़ों फीट गहराई में फैली इस जगह पर केवल नमक की खुदाई नहीं हुई, बल्कि खदान में काम करने वाले मजदूरों और कलाकारों ने नमक की चट्टानों को तराशकर अद्भुत मूर्तियां, विशाल हॉल और चर्च तक बना डाला है. इसके लिए इसे यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेड साइट लिस्ट में शामिल किया गया है.

ईरान का भारत को बड़ा प्रस्ताव, अमेरिकी प्रतिबंधों में राहत मिलते ही सस्ता कच्चा तेल देने की पेशकश

एजेंसी तेहरान

अमेरिकी प्रतिबंधों में छूट के बाद ईरान ने भारत को रियायती दरों पर कच्चे तेल की पेशकश की है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि अमेरिका द्वारा ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों में अस्थायी रूप से ढील देने के बाद कई कंपनियों ने भारतीय रिफाइनरियों को रियायती दरों पर ईरानी तेल की पेशकश की है।

सूत्रों के अनुसार, ये प्रस्ताव सीधे तौर पर नेशनल ईरानी ऑयल कंपनी से और उन मध्यस्थों से आए हैं जो दावा करते हैं कि उन्हें ईरानी स्टेट कंपनी द्वारा तेल आवंटित किया गया है। एक भारतीय सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर रॉयटर्स को बताया कि NIOC के अलावा कई व्यापारी ईरानी तेल की बिक्री के लिए हमसे संपर्क कर रहे हैं लेकिन हमारी प्राथमिकता एनआईओसी को मौका देना है।" सूत्रों ने रॉयटर्स को बताया कि एनआईओसी कच्चे तेल की पेशकश दूसरे दामों की तुलना में 3-4 डॉलर प्रति बैरल कम कीमत पर कर रहा था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारतीय रिफाइनर कंपनियों के पास निकट भविष्य में ईरानी कच्चे तेल खरीदने की कम गुंजाइश है क्योंकि अधिकांश कंपनियों ने अगस्त तक के लिए अपनी तेल आपूर्ति सुनिश्चित कर ली है। इसके अलावा, मिडिल ईस्ट देशों के आपूर्तिकर्ता खरीदारों पर अपने सालाना कॉन्ट्रैक्ट पूरा करने का दबाव डाल रहे हैं जिससे नई खरीद के लिए बहुत कम गुंजाइश बची है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रिफाइनरियों से संपर्क करने वाले व्यापारी सिंगापुर और दुबई में स्थित हैं। इस महीने की शुरुआत में ईरान के पेट्रोलियम मंत्री की दिल्ली यात्रा के दौरान भारत को कच्चे तेल और एलपीजी की संभावित आपूर्ति पर भी चर्चा हुई थी। हालांकि, छूट ने व्यापार की संभावना को फिर से खोल दिया है लेकिन ऑयल कंपनियों का कहना है कि बैंकिंग चैनल और पेमेंट मैकेनिज्म अभी भी स्पष्ट नहीं हैं जिससे तुरंत खरीदारी की संभावना कम है। अमेरिका ने वार्ता के बाद ईरान पर प्रतिबंधों में 60 दिनों की छूट दी है जिसमें उसके तेल, पेट्रोकेमिकल और पेट्रोलियम उत्पादों के उत्पादन और परिवहन को मंजूरी दी गई है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने आधिकारिक रूप से 21 अगस्त 2026 तक वैध रहने वाली इस छूट की घोषणा की है।

होर्मुज स्ट्रेट में IRGC ने उड़ाया कार्गो शिप, फंसे कई जहाज

एजेंसी तेहरान

हॉर्मूस में ईरान ने कार्गो शिप पर अटैक किया है। तय किए गए रूट से ना जाने पर हमले का दावा किया गया है। बताया गया कि वार्निंग के बावजूद भी जो रूट तय था उस पर ना जाने के चलते यह अटैक किया गया। हमले के बाद जहाजों की निकासी योजना पर रोक लगा दी गई है। ईरान की तरफ से यह दलील दी गई कि उसी रूट पर जाने का पालन ना करना इस अटैक के पीछे का कारण है। जहां एक तरफ पीस डील पर दोनों देशों के बीच में बातचीत आगे बढ़ रही है। ऐसे में यह तनाव इस डील पर सीधा असर डालेगा। ईरान के ड्रोन हमले के बाद हॉर्मूस में यूएन ने रेस्क्यू रोक दिया है। 11,000 नाविकों की जान को खतरा है। फारस की खाड़ी में अब कई जहाज फंसे हुए हैं। यह बड़ी खबर क्योंकि इस पीस डील के चलते हॉर्नस को पूरी तरह से खोल दिया गया था। ऐसे में उस रूट पर कई जो जहाज है उनके आने और जाने का सिलसिला जारी था। अब ऐसे में क्योंकि निकासी मार्ग जो है उसे बैन कर दिया गया। एक बार फिर से उसे जैम कर दिया गया। तो जो जहाज जहां था वह वहीं रुक गया। अब ऐसे में 1100 नाविकों की जान पर खतरा मंडरा रहा है। कई जहाज हैं जो फंसे हुए हैं सिर्फ इस एक कदम से।

इसीलिए यह जो पूरी सिचुएशन है यह पैनिकिक हो चुकी है और यह इस डील पर असर डालने के लिए कई संकेत मिल चुके हैं। हॉर्मोस में तनाव के बीच कच्चे तेल में के दामों में भी जो है वो हमने देखा कि कैसे उतार-चढ़ाव आया है। लेकिन ब्रेड क्रूड की कीमत में करीब 4% तक उछाल आया। हमले के बाद वैश्विक तेल बाजार में चिंता बढ़ी है। इसके अलावा ब्रड क्रूट पहुंचा है 74.89 प्रति बैरल के करीब। हॉर्मूस में जहाज पर हमले से सप्लाई पर असर की आशंका जो है वो बढ़ गई है। हॉर्मूस में तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में जो बदलाव हुआ है वह जानिए। अमेरिका और ईरान के बीच टकराव का अखाड़ा बन चुके हॉर्मोस में एक बार फिर से हड़कंप मच गया। ईरान ने सिंगापुर के झंडे वाले एक मालवाहक जहाज पर ड्रोन अटैक कर दिया। ईरान ने कहा कि उसकी अनुमति के बिना अगर कोई जहाज इस इलाके से गुजरेगा तो उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी वो नहीं लेगा। ईरान के हमले के बाद एक बार फिर से बारूदी संघर्ष की आशंका पैदा हो गई है। दुनिया के सबसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण समुद्री लाइफ लाइन हॉर्मोस स्ट्रेट एक बार फिर से भीषण जंग और बारूदी धमाकों के मुहाने पर आ खड़ा हो गया है। फारस की खाड़ी और अमान की खाड़ी को जोड़ने वाला हॉर्मोस भीषण बारूदी गंध से भर गया है। जब लग रहा था कि अमेरिका और ईरान के बीच सब ठीक हो चुका है और हॉर्मूस की लहरों से जंग का शोर उठना बंद हो जाएगा कि तभी अचानक से कुछ ऐसा हुआ जिसने पूरी दुनिया में हड़कंप मचा दिया। दुनिया के इस सबसे व्यस्त समुद्री मार्ग से सिंगापुर के झंडे वाला एक मालवाहक जहाज शांतिपूर्ण गुजर रहा था कि तभी अचानक से आसमान को चीरता हुआ ईरानी ड्रोन ठीक उसी जगह पर आकर टकराया जहां से जहाज का कैप्टन और चालक दल पूरे शिप को नियंत्रित करते हैं। यह हमला ओमान के अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा क्षेत्र के बेहद करीब और तट से मात्र 14 कि.मी. की दूरी पर अंजाम दिया गया। यूनाइटेड किंगडम मैरिटाइम ट्रेड ऑपरेशंस ने भी इस बात की पुष्टि की है कि जहाज के दाहिने हिस्से पर एक अज्ञात और बेहद खतरनाक ड्रोन ने हिट किया। यह धमाका इतना जबरदस्त था कि जहाज का ब्रिज यानी कंट्रोल रूम बुरी तरह से तबाह हो गया।

शी जिनपिंग का `विदेशी दखल' वाला दांव, बांग्लादेश से 13 डील, क्या है चीन का नया प्लान

एजेंसी बीजिंग

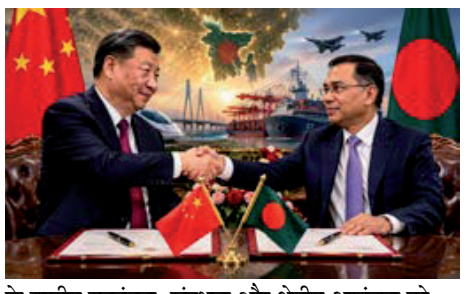

बीजिंग में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के साथ बातचीत के दौरान, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बांग्लादेश की संप्रभुता की रक्षा करने और "विदेशी दखल को खारिज करने" के मामले में बीजिंग के समर्थन की बात कही। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शी ने यह भी कहा कि चीन रहमान की सरकार का समर्थन करता है (जिन्होंने फरवरी में पद संभाला था) और वह ढाका के साथ मिलकर उच्च-गुणवत्ता वाले 'बेल्ट एंड रोड' सहयोग और विकास रणनीतियों के बीच बेहतर तालमेल पर काम करने के लिए तैयार है। यह बैठक रहमान की पांच दिवसीय चीन यात्रा का समापन थी, जिसके दौरान दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश, शिक्षा, नदी प्रबंधन और व्यापक क्षेत्रीय सहयोग पर चर्चा की। शी जिनपिंग ने बांग्लादेश, म्यांमार और चीन को जोड़ने वाले एक आर्थिक गलियारे का प्रस्ताव भी रखा, जबकि चीनी अधिकारियों ने तीस्ता नदी परियोजना में बीजिंग की भूमिका को लेकर जताई जा रही चिंताओं को कम करने का प्रयास किया। शी जिनपिंग ने शुक्रवार को अपनी यात्रा समाप्त करने वाले रहमान से कहा कि चीन बांग्लादेश के राष्ट्रीय स्वतंत्रता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने और विदेशी हस्तक्षेप को अस्वीकार करने में उसका समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में चाहे जो भी बदलाव आएं, चीन-बांग्लादेश के मैत्रीपूर्ण संबंधों की समग्र दिशा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में कोई कमी नहीं आने देगा। शी जिनपिंग ने कहा कि चीन क्षेत्रीय संपर्क को बेहतर बनाने के लिए चीन-म्यांमार-बांग्लादेश आर्थिक गलियारे का समर्थन करता है। प्रस्तावित गलियारा बांग्लादेश-चीन-भारत-म्यांमार आर्थिक गलियारे का एक छोटा संस्करण है, जिसे बीजिंग ने 2013 में प्रस्तावित किया था, लेकिन वह परियोजना आगे नहीं बढ़ पाई। पद संभालने के बाद रहमान ने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए मलेशिया को चुना। कुआलालंपुर से, वह 22 जून को चीन के शहर डालियान गए, जहाँ उन्होंने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया और चीनी निवेश के लिए बात रखी। वह बुधवार को अपनी यात्रा के आखिरी पड़ाव के तौर पर बीजिंग पहुँचे और दो दिनों तक चीन के वरिष्ठ नेताओं, जिनमें प्रीमियर ली कियांग भी शामिल थे, के साथ बैठकें कीं। गुरुवार को, 'ग्रेट हॉल ऑफ़ द पीपल' में प्रीमियर ली ने रहमान का औपचारिक स्वागत किया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत हुई और व्यापार, निवेश और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग के लिए 13 समझौतों (मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग) पर हस्ताक्षर किए गए। रहमान ने गुरुवार को चीन के जल संसाधन मंत्री ली गुओयिंग से भी मुलाकात की और दोनों देश तीस्ता नदी के मैनेजमेंट और दूसरी नदी परियोजनाओं पर सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए। तीस्ता नदी पूर्वी हिमालय से निकलकर सिक्किम और पश्चिम बंगाल से होते हुए बांग्लादेश में प्रवेश करती है, जहाँ यह सिंचाई और आजीविका के लिए महत्वपूर्ण है। इस नदी का बेसिन भारत के सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास स्थित है, जो मुख्य भूमि को पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ने वाला एक संकरा रास्ता है।

भारत को जवाब ? बांग्लादेश की तीस्ता परियोजना पर चीन की सफाई, कहा- हमारा सहयोग किसी के खिलाफ नहीं

एजेंसी बीजिंग

चीन ने बांग्लादेश की तीस्ता नदी परियोजना पर काम करने की सहमति दे दी है। वह इस परियोजना को फाइनेंस भी करेगा। तीस्ता नदी पर समझौता बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के चीन दौरे के दौरान हुआ है। तीस्ता नदी परियोजना में चीन की भागीदारी बांग्लादेश और भारत के संबंधों को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में चीन ने इस पर सफाई दी है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा है कि चीन बांग्लादेश के साथ कई क्षेत्रों में सहयोग और बातचीत करने के लिए तैयार है। इसमें तीस्ता नदी से जुड़े प्रोजेक्ट हमारे आपसी सहयोग में अहम हैं। उन्होंने भारत का नाम लिए बिना कहा कि हमारा सहयोग किसी तीसरे पक्ष के खिलाफ नहीं है। तीस्ता नदी पूर्वी हिमालय से निकलकर सिक्किम और पश्चिम बंगाल से होते हुए बांग्लादेश में प्रवेश करती है, जहां यह लाखों लोगों की सिंचाई और आजीविका का प्रमुख स्रोत है। तीस्ता नदी बेसिन भारत के संवेदनशील सिलीगुड़ी गलियारे के निकट स्थित है। यह 22 किलोमीटर चौड़ी भूमि पट्टी मुख्य भूभाग को पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ती है। ऐसे में तीस्ता नदी परियोजना में चीन के शामिल होने से भारत की चिंता बढ़ सकती है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां एक प्रेस वार्ता में नई दिल्ली की संभावित चिंताओं संबंधी प्रश्न के जवाब में कहा, "तीस्ता नदी के व्यापक प्रबंधन और पुनर्वास की परियोजना बांग्लादेश के लिए जनकल्याण से जुड़ी एक महत्वपूर्ण परियोजना है।" उन्होंने किसी देश का नाम नहीं लिये बिना कहा, "चीन इस परियोजना को समर्थन देने के लिए हरसंभव मदद करने को तैयार है। मैं यह रेखांकित करना चाहता हूं कि चीन-बांग्लादेश सहयोग किसी तीसरे पक्ष को लक्ष्य बनाकर नहीं किया जा रहा है और यह किसी तीसरे पक्ष के प्रभाव से मुक्त होना चाहिए।"

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान और चीनी नेताओं के बीच हुई वार्ता का विवरण देते हुए गुओ ने कहा कि दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों तथा साझा हितों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने कहा कि व्यापक सहमति और व्यावहारिक सहयोग के कई परिणाम हासिल हुए हैं, जो चीन-बांग्लादेश संबंधों के विकास के लिए नई रणनीतिक रूपरेखा तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश 'एक-चीन' नीति के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध है, ताइवान को चीन के क्षेत्र का अभिन्न हिस्सा मानता है और ''ताइवान की स्वतंत्रता'' के किसी भी स्वरूप का विरोध करता है।

फ़िलीपींस में 6.7 तीव्रता का भूकंप आया, पूरे देश में झटके महसूस किए गए

एजेंसी मनीला

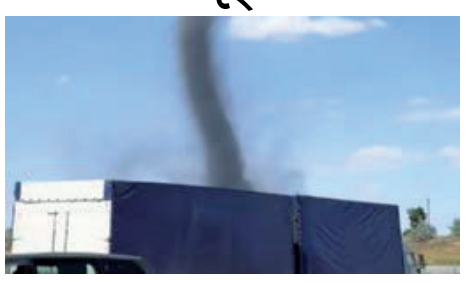

जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज (GFZ) ने बताया कि शुक्रवार को फिलीपींस के दक्षिणी द्वीप मिंडानाओ में 6.7 तीव्रता का भूकंप आया। GFZ के अनुसार, भूकंप 29 किलोमीटर (18.02 मील) की गहराई पर आया था। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे ने बताया कि भूकंप शाम 7:42 बजे (1142 GMT) मिंडानाओ द्वीप के सरंगानी शहर से लगभग 21 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में 65.7 किलोमीटर (41 मील) की गहराई पर आया। यह घटना उसी इलाके में आए एक ज़बरदस्त भूकंप के तीन हफ़्ते से भी कम समय बाद हुई है, जिसमें 80 से ज़्यादा लोगों की मौत हो गई थी। सुनामी की कोई तत्काल चेतावनी जारी नहीं की गई। देश में यह ताज़ा भूकंप दक्षिणी फ़िलीपींस में आए एक शक्तिशाली भूकंप के कुछ हफ़्ते बाद आया है, जिसमें 80 से ज़्यादा लोगों की मौत हो गई थी और मिंडानाओ के कई हिस्सों में भारी नुकसान हुआ था। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने शुक्रवार सुबह बताया कि वेनेज़ुएला में आए दो ज़बरदस्त भूकंपों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 589 हो गई है और 2,980 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने सरकारी और सैन्य अधिकारियों की मौजूदगी में यह घोषणा की और दुनिया भर से आए बचाव दलों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हम फंसे हुए लोगों को बचाने जा रहे हैं।" "हम इस काम में दिन-रात जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि बुधवार शाम आए 7.2 और 7.5 तीव्रता वाले भूकंपों से ला गुएरा राज्य सबसे ज़्यादा प्रभावित हुआ है; वहां सेना तैनात कर दी गई है और बचाव दल जीवित बचे लोगों की तलाश करने के साथ-साथ भोजन और पानी भी बांट रहे हैं। बुधवार शाम आए 7.2 और 7.5 तीव्रता वाले भूकंपों के बाद मरने वालों और घायलों की संख्या बढ़ने की आशंका है, क्योंकि हज़ारों लोग लापता बताए जा रहे हैं। ये भूकंप एक सदी से भी ज़्यादा समय में वेनेज़ुएला में आए सबसे शक्तिशाली भूकंपों में से एक थे और इनका असर पूरे इलाके में महसूस किया गया। हज़ारों लोगों के लापता होने की खबर है और ब्राज़ील के अमेज़न तक की इमारतों को खाली कराया गया। इस तबाही के जवाब में, अमेरिकी ट्रेज़री ने गुरुवार को 23 अक्टूबर तक कुछ प्रतिबंधों में ढील देने का फ़ैसला किया, ताकि वेनेज़ुएला में भूकंप राहत कार्यों से जुड़े लेन-देन हो सकें, जिन पर आम तौर पर रोक होती है। इस बीच, उत्तरी वेनेज़ुएला के शहरों में घबराए हुए लोग सड़कों पर उतर आए और मलबे में लापता लोगों को खोजने लगे। मलबे से धूल और खून से लथपथ घायलों को बाहर निकाला गया, जिनमें बच्चे और जानवर भी शामिल थे। वेनेज़ुएला के सरकारी टीवी पर बचाव कार्य की हैरान करने वाली तस्वीरें दिखाई गईं, जिनमें एक महिला सीमेंट के स्लैब के नीचे फंसी हुई थी; बचाव दल के उसे ज़िंदा बाहर निकालने से पहले उसका सिर्फ़ नंगा पैर बाहर दिख रहा था।

होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान की नई चेतावनी, बोला- इजाजत ले जहाज, नहीं तो सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं

एजेंसी तेहरान

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर नई चेतावनी जारी की है। ईरान के उप-विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि ईरान के साथ तालमेल के बिना होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित गुजरने की गारंटी नहीं दी जा सकती। उन्होंने यह भी कहा कि तालमेल न होने पर किसी भी तय रास्ते को बंद किया जा सकता है। उनका यह बयान तब आया है, जब ओमान ने इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइज़ेशन के साथ मिलकर इस जलडमरूमध्य से गुज़रने के लिए कुछ अस्थायी रास्ते तय किए हैं। एक दिन पहले ही होर्मुज में एक जहाज पर मिसाइल से हमला हुआ था। इस हमले में जहाज को भारी नुकसान पहुंचा था, हालांकि इसकी जिम्मेदारी किसी ने भी नहीं ली।

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) नौसेना ने कहा था कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने के लिए केवल वही मार्ग अधिकृत हैं, जिन्हें ईरानी अधिकारियों ने घोषित किया है। सन्हिुआ के अनुसार, आईआरजीसी की आधिकारिक समाचार इकाई सेपाह न्यूज में जारी बयान में कहा गया कि अन्य मार्गों से जहाजों की आवाजाही खतरनाक और प्रतिबंधित है। बयान में कहा गया, "सभी को यह पता होना चाहिए कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने के लिए केवल ईरान की ओर से घोषित मार्ग ही मान्य हैं। इन मार्गों के बाहर यातायात बहुत खतरनाक है और इसकी अनुमति नहीं है, इसलिए इससे पूरी तरह बचना चाहिए।"

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) और ओमान ने एक नया सुरक्षा गलियारा (सेफ्टी कॉरिडोर) शुरू किया है, जिसका उद्देश्य इस महत्वपूर्ण जलमार्ग से फंसे हुए जहाजों और नाविकों को सुरक्षित रूप से गुजरने में मदद करना है।

मंगलवार को ईरान और ओमान ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा कि दोनों देशों ने होर्मुज स्ट्रेट में नौवहन (नेविगेशन) के भविष्य के प्रबंधन पर बातचीत के लिए एक 'संयुक्त कार्य समूह' बनाने पर सहमति जताई है।

दोनों देशों ने अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार इस जलमार्ग से जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई।

संयुक्त राष्ट्र की समुद्री एजेंसी ने ओमान के तट के पास एक जहाज को निशाना बनाए जाने की जानकारी मिलने के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों को निकालने का काम रोक दिया है। ब्रिटिश सेना ने एक बयान जारी कर जहाज को निशाना बनाए जाने के बारे में जानकारी दी थी। अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन के प्रमुख ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे जहाजों को निकालने का काम तब तक रुका रहेगा, जब तक एजेंसी निकासी सूची में शामिल और उस इलाके में मौजूद जहाजों की सुरक्षा गारंटी सुनिश्चित नहीं कर लेती।

महिला टी20 विश्व कप :

सेमीफ़ाइनल में जगह बनाने को भारत को हर हाल में दिखाना होगा दम

नई दिल्ली, एजेंसी | मध्यक्रम के बल्लेबाजों के नहीं चल पाने और खराब क्षेत्ररक्षण के कारण अब तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाली भारतीय टीम को अगर महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनानी है तो उसे ऑस्ट्रेलिया की मजबूत टीम के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले ग्रुप ए के अपने अंतिम मैच में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम के लिए यह मैच करो या मरो जैसा है। इस ग्रुप के अंतिम दो मैच से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीमों का निर्धारण होगा। इन मैच में दक्षिण अफ्रीका (छह अंक) लॉर्ड्स में बांग्लादेश (चार) से भिड़ेगा, जिसके बाद भारत (छह) का सामना अपराजित ऑस्ट्रेलिया (आठ) से होगा। दक्षिण अफ्रीका के बांग्लादेश के खिलाफ शानदार रिकॉर्ड (12 मैचों में 9-2) को देखते हुए भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाला मुकाबला क्वार्टर फाइनल जैसा होने की उम्मीद है। अगर पिछली बार फाइनल में पहुंचने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम उम्मीद के मुताबिक जीत जाती है, तो भारत को क्वालीफाई करने के लिए ऑस्ट्रेलिया को हराना होगा।

ऐसी स्थिति में इस मैच में हार से मौजूदा वनडे विश्व चैंपियन की उम्मीदें खत्म हो जाएंगी। दूसरी तरफ ऑस्ट्रेलिया आठ अंकों और 4.724 के बेहतर नेट रन रेट की बदौलत हार के बावजूद भी आगे बढ़ सकता है। बांग्लादेश अगर दक्षिण अफ्रीका को हरा देता है तो भारत पर से दबाव कम हो जाएगा क्योंकि हार के बावजूद भी हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम अंतिम चार में जगह बना सकती है अगर उसका नेट रन रेट 2.268 दक्षिण अफ्रीका के मौजूदा 0.734 से बेहतर बना रहता है। इस मैच में भारतीय टीम के जज्बे की परीक्षा भी होगी जो अभी तक प्रत्येक विभाग में कुछ ना कुछ समस्याओं से जूझ रही है। भारत टूर्नामेंट के शुरू में सलामी बल्लेबाजों की खराब फॉर्म को लेकर चिंता में था। स्मृति मंधाना (167 रन) और शेफाली वर्मा (145) की सलामी जोड़ी ने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन भारतीय मध्यक्रम नहीं चल पाया जिसमें कप्तान हरमनप्रीत (85) और जेमिमा रोड्रिग्स (58) जैसी खिलाड़ी शामिल हैं।

भारत के लिए एक और बड़ी चिंता खराब क्षेत्ररक्षण है। पिछले दो मैच में उसके खिलाड़ियों ने छह कैच छोड़े हैं। इनमें से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कैच छोड़ना उसे महंगा पड़ा क्योंकि टीम इस मैच में हार गई थी। मुख्य कोच अमोल मजूमदार और कप्तान हरमनप्रीत इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस तरह की गलती उसे भारी पड़ सकती है। राधा यादव को बेहतरीन क्षेत्ररक्षक माना जाता है लेकिन उन्होंने तीन कैच छोड़े हैं। इनमें से दो कैच उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टपकाए थे। भारत को वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर मिली जीत से निश्चित रूप से प्रेरणा मिलेगी, जिसमें जेमिमा की शानदार पारी ने उसे अंतिम बाधा को पार करने और अपने पहले वैश्विक खिताब की जीत की राह पर अग्रसर करने में मदद की। गेंदबाजी विभाग में श्री चरणी शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने अब तक चार मैचों में 12 विकेट लिए हैं। लेकिन उन्हें अन्य गेंदबाजों का अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया को अपने कौशल पर पूरा भरोसा होगा और भारत के खिलाफ मैदान में उतरते समय उनकी नजर सेमीफाइनल पर होगी। इस मुकाबले में फीबी लिचफील्ड की वापसी से ऑस्ट्रेलिया को मजबूती मिली है जिन्हें विशेष रूप से भारत के खिलाफ बल्लेबाजी करने में आनंद आता है। वह पिंडली की चोट के कारण इस विश्व कप में तीन मैच नहीं खेल पाई थीं।

टीम इस प्रकार हैं: भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), जेमिमा रोड्रिग्स, भारती फुलमाली, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, प्रेमा रावत, अरुंधति रेड्डी, नंदनी शर्मा, श्री चरणी, राधा यादव।

ऑस्ट्रेलियाः सोफी मोलिनी (कप्तान), फीबी लिचफील्ड, बेथ मूनी (विकेटकीपर), जॉर्जिया वोल, ताहलिया मैकग्रा (उप-कप्तान), एशले गार्डनर, किम गार्थ, लूसी हैमिल्टन, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, एलिसे पेरी, एनाबेल सदरलैंड, निकोला कैरी, मेगन शट, जॉर्जिया वेयरहैम। मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:00 बजे शुरू होगा।

विश्व कप में डेम्बेले का तूफान, पहले हाफ में हैट्रिक जड़ नॉर्वे को 4-1 से रौंदा

नई दिल्ली, एजेंसी | स्ट्राइकर उस्मान डेम्बेले ने पहले हाफ में ही हैट्रिक बनाई जिससे फ्रांस ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप आई में नॉर्वे को 4-1 से हराकर अपना विजय अभियान जारी रखा। डेम्बेले ने सातवें, 20वें और 32वें मिनट में गोल किए। उनके एक गोल में काइलियन एमबाप्पे ने मदद की। विश्व कप में पिछले 32 वर्षों में यह पहला अवसर था जबकि किसी खिलाड़ी ने पहले हाफ में ही हैट्रिक बनाई। इससे पहले 1994 में

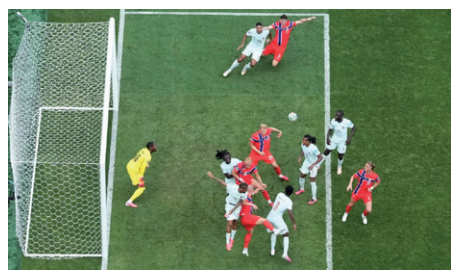

अमेरिका में खेले गए विश्व कप में रूस के फॉरवर्ड ओलेग सालेन्को ने कैमरून के खिलाफ अपने पांच में से तीन गोल शुरुआती 45 मिनट में किए थे।

डेम्बेले इस तरह से लियोनेल मेस्सी और अपने साथी एमबाप्पे के साथ गोल्डन बूट की दौड़ में शामिल हो गए हैं। डेम्बेले ने कहा, ''यह एक अनूठा क्षण है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि हमने ग्रुप चरण में पहल स्थान पर रहकर अगले दौर में प्रवेश किया। अब हमारा ध्यान अगले मैच पर है जो सबसे महत्वपूर्ण है।'' फ्रांस और नॉर्वे पहले ही नॉकआउट चरण में जगह पक्की कर चुके थे और इस मैच से ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम का फैसला होना था। फ्रांस की टीम ने दबदबा बनाए रखा। उसकी तरफ से चौथा गोल दूसरे हाफ के इंजुरी टाइम में डेसिरे डोउ ने किया। नॉर्वे के लिए एकमात्र गोल थैलो आसगार्ड ने 21वें मिनट में किया।

फ्रांस ने तीन मैचों में 10 गोल किए हैं। डेम्बेले ने कहा, ''हम अपने सभी मैच जीतना चाहते हैं, लेकिन हम अपना ध्यान केंद्रित रखेंगे।'' पिछले साल यूरोप के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में बैलोन डीओर जीतने वाले और इस साल के विश्व कप में चार गोल कर चुके डेम्बेले 65वें मिनट में मैदान से बाहर चले गए। उनकी जगह ब्रैडली बारकोला मैदान में उतरे। डेम्बेले के दूसरे गोल के बाद आसगार्ड ने खेल फिर से शुरू होने पर महज 14 सेकंड बाद गोल दागकर नॉर्वे को कुछ राहत दिलाई।

पाकिस्तान को शर्मनाक हार के लिए मजबूर करने वाले 7 धुरंधर, यूं भारत के बेटों ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत

नई दिल्ली, एजेंसी | ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शुक्रवार को एफआईएच प्रो लीग में शानदार प्रदर्शन करते हुए चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7-1 से रौंदा। लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर्स में खेले गए मुकाबले में 0-1 से पिछड़ने के बाद भारतीय टीम ने जबरदस्त वापसी की।

लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में खेले गए एफआईएच प्रो लीग के एक हाई-वोल्टेज मुकाबले में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 7-1 के भारी अंतर से धूल चटा दी। मैच की शुरुआत में 0-1 से पिछड़ने के बाद कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में भारतीय टीम ने मैदान पर वो आक्रामकता दिखाई कि पाकिस्तान का डिफेंस ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। यह पाकिस्तान के खिलाफ भारत की लगातार 17वीं ऐतिहासिक जीत है।

इस धमाकेदार जीत के साथ

ही भारत अंक तालिका में स्पेन को पछाड़कर 7वें स्थान पर पहुंच गया है। भारत के अब 15 मैचों में 17 अंक हो चुके हैं। मुकाबले के दौरान भारतीय मिडफील्डर्स और फॉरवर्ड्स ने कमाल का तालमेल दिखाया। कुल 36 बार विपक्षी सर्कल में सेंध लगाते हुए भारत ने मैच में पूरी तरह अपना दबदबा बनाए रखा। शानदार खेल के लिए हार्दिक सिंह को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

सुखजीत सिंह (19वां मिनट) - जब भारतीय टीम शुरुआती क्वार्टर में 0-1 से पीछे चल रही थी, तब सुखजीत ने 19वें मिनट में मैदानी गोल दागकर भारत की मैच में वापसी कराई। इसके अलावा उन्होंने मैच के उत्तरार्ध में अभिषेक के गोल के लिए एक बेहतरीन असिस्ट भी किया।

हरमनप्रीत सिंह (26वां मिनट) - भारतीय टीम के कप्तान ने दूसरे क्वार्टर में अपने अनुभव का परिचय देते हुए 26वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया। उनके इस शानदार ड्रैग फ्लिक ने भारत को मैच में 2-1 की मजबूत बढ़त दिला दी।

हार्दिक सिंह (34वां मिनट) - मिडफील्ड में बेहतरीन खेल दिखाने वाले और 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे हार्दिक सिंह ने दूसरे हाफ की शुरुआत में मिले पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला। 34वें मिनट में किए गए उनके इस गोल ने स्कोर को 3-1 कर दिया।

जुगराज सिंह (35वां मिनट) - हार्दिक के गोल के ठीक एक मिनट बाद, जुगराज सिंह ने भारतीय टीम के एक बेहद तेज काउंटर अटैक (जवाबी हमले) को अंजाम दिया। 35वें मिनट में उनके इस मैदानी गोल ने पाकिस्तान को पूरी तरह बैकफुट पर धकेलते हुए बढ़त 4-1 कर दी।

अभिषेक (41वां मिनट) - पाकिस्तान के डिफेंस पर लगातार दबाव बना रहे फॉरवर्ड खिलाड़ी अभिषेक ने 41वें मिनट में अपनी क्लास दिखाई। उन्होंने सुखजीत सिंह से मिले एक बेहतरीन और सटीक पास को सीधे गोल पोस्ट के अंदर भेजकर भारत का पांचवां गोल दागा।

राज कुमार पाल (43वां मिनट) - मैच के 43वें मिनट में जब कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर ड्रैग फ्लिक मारा, तो पाकिस्तानी गोलकीपर से गेंद रिबाउंड होकर आई। वहां मुस्तैद खड़े राज कुमार पाल ने कोई गलती न करते हुए गेंद को गोल में तब्दील कर स्कोर 6-1 कर दिया।

दिलप्रीत सिंह (53वां मिनट) - मैच के आखिरी क्वार्टर में भी भारतीय आक्रमण थमा नहीं और 53वें मिनट में दिलप्रीत ने एक शानदार मूव बनाया। उन्होंने इस मूव को फिनिशिंग टच देते हुए मैच का सातवां और आखिरी गोल दागकर पाकिस्तान की हार पर अंतिम मुहर लगा दी।

व्यापार

सिर्फ 1 महीने में कमा डाले 8 लाख, पति-पत्नी का बिजनेस आइडिया हिट, जाह्नवी कपूर बनीं फैन

नई दिल्ली, एजेंसी | यह कहानी बेंगलुरु के एक युवा कपल की है। इनके नाम हैं जुओला और अर्शिन। दोनों ने मार्केट की एक नब्ज पकड़कर मामूली पूंजी से सफल बिजनेस खड़ा कर दिया है। उन्होंने देखा कि भारतीय मोबाइल एक्सेसरीज बाजार जहां तेजी से बढ़ रहा है। वहीं स्टाइलिश और मजबूत फोन केसेज के मामले में हमेशा से बड़ा गैप रहा है। इसी गैप को भरने के आइडिया के साथ 2025 में उन्होंने अपने ब्रांड की शुरुआत की। इसका नाम 'कियोको' है। महज 6 महीनों में यह 16 लाख रुपये का बिजनेस बन गया। मार्च 2026 में वेबसाइट लॉन्च होने के बाद इस ब्रांड ने सिर्फ एक महीने में 8.2 लाख रुपये की कमाई कर डाली। आइए, यहां जुओला और अर्शिन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

ऐसे आया आइडिया - भारतीय मोबाइल एक्सेसरीज मार्केट साल 2033 तक 4.65 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। लेकिन, इसके बावजूद महिलाओं के लिए ट्रेंडी और मजबूत फोन केसेज का बाजार में अभाव था। बाजार में या तो सिर्फ साधारण दिखने वाले केसेज मिलते थे या फिर सुंदर दिखने वाले कवर बहुत जल्दी टूट जाते थे।

इसी कमी को पूरा करने के लिए बेंगलुरु की 29 वर्षीय जुओला और उनके पति अर्शिन (32) ने मार्च 2025 में सिर्फ 5 लाख रुपये की पूंजी के साथ अपने एक्सेसरी ब्रांड की नींव रखी। इसका मकसद फैशन और क्वालिटी दोनों को एक साथ लाना था।

पति-पत्नी का बैकग्राउंड - जुओला ने चीन से एमबीबीएस की पढ़ाई के दौरान ही यह तय कर लिया था कि वह डॉक्टर नहीं बनना चाहतीं। उन्होंने वहां ड्रॉपशिपिंग जैसे छोटे बिजनेस से आंत्रप्रेन्योरशिप सीखी। भारत लौटने के बाद वह कंटेंट क्रिएशन करने लगीं।

दूसरे ओर अर्शिन अपने फैमिली बिजनेस से अलग कुछ नया करना चाहते थे। दोनों ने मिलकर जब स्टार्टअप शुरू किया तो शुरुआत में लॉजिस्टिक्स, मैन्युफैक्चरर्स को फाइनल करने और उनकी भारी मिनिमम ऑर्डर क्वांटिटी (MOQ) जैसी बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कई बार सामान खराब भी आया। लेकिन, उन्होंने क्वालिटी से कभी समझौता नहीं किया।

जाह्नवी कपूर भी हो गईं फैन - शुरू में इंस्टाग्राम डीएम के जरिए महीने में सिर्फ 10-20 ऑर्डर आते थे। लेकिन, जब इस कपल ने खुद पर्दे के पीछे के वीडियो और मिनी व्लॉग्स बनाकर शेयर करना शुरू किया तो ब्रांड की किस्मत बदल गई।

उन्होंने बॉलीवुड एक्ट्रेस खुशी कपूर को अपना एक फोन केस दिया। उसका व्लॉग शेयर किया, जिससे वीडियो वायरल हो गया। एक ही दिन में 100 से ज्यादा ऑर्डर आने लगे।

इसके बाद मशहूर अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने भी उनकी रील्स देखकर खुद फोन कवर मांगे। फिर आलिया कश्यप और संजना गणेशन जैसी सेलिब्रिटीज भी इस लिस्ट में शामिल हो गईं।

एक महीने में 8 लाख का बिजनेस - जुओला और अर्शिन के ब्रांड ने अक्टूबर 2025 में 1.1 लाख रुपये के रेवेन्यू से शुरुआत की थी। फरवरी 2026 तक आते-आते यह 2.6 लाख रुपये तक पहुंच गया।

मार्च 2026 में आधिकारिक वेबसाइट लाइव होने और जाह्नवी कपूर के वीडियो के हिट होने के बाद इस ब्रांड ने महज एक महीने में रिकॉर्ड 8.2 लाख रुपये का बिजनेस किया। 25% के प्रॉफिट मार्जिन पर काम कर रहे इस ब्रांड ने अब तक 1,400 से ज्यादा ग्राहकों को सेवा दी है।

भविष्य में जुओला और अर्शिन का इरादा अपनी टीम बढ़ाने, एंड्रॉइड फोन, एयरपॉड्स और आईपैड केसेज की कैटेगरी में उतरने के साथ अपने रेवेन्यू को दोगुना करने का है।

यात्रियों के लिए खुशखबरी! एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन बोले- जल्द खत्म हो सकती है फ्लाइट कटौती।

एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने कहा है कि पश्चिम एशिया में तनाव घटने और विमान ईंधन की कीमतों में नरमी जारी रहने पर एयरलाइन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में की गई कटौती को वापस ले सकती है। परिचालन लागत बढ़ने के कारण टाटा समूह की इस एयरलाइन ने पहले अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानों में क्रमशः 27% और 22% की कटौती की थी।

नई दिल्ली, एजेंसी | एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने शुक्रवार को कहा कि यदि पश्चिम एशिया में संघर्ष कम होने के कारण हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंधों में ढील और विमान ईंधन की कीमतों में नरमी का मौजूदा रुख जारी रहता है, तो एयरलाइन हाल के महीनों में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में की गई कटौती में से कुछ को वापस ले सकती है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने पिछले महीने हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध और विमान ईंधन की बढ़ती कीमतों के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में 27 प्रतिशत की कटौती की थी। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

ईंधन महंगा होने से विदेशी मार्गों पर परिचालन लागत बढ़ गई थी। इसके अलावा, घाटे में चल रही एयरलाइन नेईंधन की ऊंची कीमतों के प्रभाव से निपटने के लिए घरेलू उड़ानों में भी अस्थायी रूप से 22 प्रतिशत की कटौती की थी। विल्सन ने कर्मचारियों को भेजे संदेश में कहा, ''पश्चिम एशिया में संघर्ष कम हुआ है। हालांकि, इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि तनाव फिर नहीं बढ़ेगा, लेकिन मौजूदा स्थिर माहौल के कारण अधिक हवाई क्षेत्र उपलब्ध हो गया है और ईंधन की कीमतों में उल्लेखनीय कमी आई है।'' उन्होंने कहा, ''यदि यह रुझान जारी रहता है, तो हाल के महीनों में उड़ानों के कार्यक्रम में की गई कुछ कटौतियों को वापस लेने में हम सक्षम हो सकते हैं। मुझे विश्वास है कि आप सब भी मेरी तरह उम्मीद कर रहे होंगे कि ऐसा जल्द से जल्द हो।''

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के बाद क्षेत्र के कई हिस्सों में हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगाए गए थे और विमान ईंधन की कीमतों में भी तेज बढ़ोतरी हुई थी। एयरलाइन की कुल परिचालन लागत में ईंधन की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से अधिक है।

हालांकि, अब ईंधन की कीमतों में कुछ नरमी आई है। विल्सन ने कहा कि इस वर्ष एयर इंडिया के बेड़े में आठ और नए अथवा पुनर्निर्मित चौड़ी बॉडी वाले विमान शामिल किए जाएंगे।

इनमें इस सप्ताहांत आने वाला नया बी-787-9 विमान भी शामिल है। उन्होंने कहा कि इन विमानों के शामिल होने से सेवाओं में सुधार जारी रहेगा और यात्रियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने की उम्मीद है।

अमित शाह ने गुजरात में लॉन्च की भारत टैक्सी सर्विस, जानिए इस नई कैब सेवा से ड्राइवर्स को क्या फायदा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात में 'भारत टैक्सी सर्विस' लॉन्च कर दी है, यह ड्राइवर्स के स्वामित्व वाली देश की पहली कैब सर्विस है। जानिए कैसे यह को-ऑपरेटिव मॉडल कैब सेक्टर में बदलाव लाएगा।

नई दिल्ली, एजेंसी | क्या आप भी निजी कैब कंपनियों की मनमानी और कैंसिलेशन की समस्याओं से परेशान हैं? अब इस समस्या का एक नया और ठोस समाधान 'को-ऑपरेटिव मॉडल' (सहकारी ढांचे) के जरिए सामने आया है। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को गुजरात में भारत टैक्सी सर्विस को आधिकारिक रूप से लॉन्च कर दिया है। यह भारत का पहला ऐसा राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म है, जिसका मालिकाना हक सीधे तौर पर इसे चलाने वाले ड्राइवर्स के पास होगा। भारतीय मोबिलिटी सेक्टर में इस पहल को ट्रांसपोर्टेशन एक्सेसिबिलिटी के एक नए युग की शुरुआत माना जा रहा है।

'भारत टैक्सी' की शुरुआत कहां हुई और इसके विस्तार की क्या योजना है?

लॉन्चिंग के पहले चरण में इस सेवा को गुजरात राज्य के 14 प्रमुख शहरों में शुरू किया गया है। सरकार और सहकारिता मंत्रालय का लक्ष्य बेहद आक्रामक है; उन्होंने अगले एक महीने के भीतर इस सर्विस के ऑपरेशंस का विस्तार पूरे गुजरात राज्य में करने की योजना बनाई है।

इस नए को-ऑपरेटिव मॉडल की जरूरत क्यों पड़ी? लॉन्चिंग कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि भारत के आर्थिक विकास के साथ-साथ टैक्सी सेवाओं की मांग में भारी बढ़ोतरी हुई है और आज यह जरूरत हर घर तक पहुंच गई है। उन्होंने साफ किया कि प्राइवेट सेक्टर की टैक्सी सेवाओं में कई तरह की दिक्कतें उभर कर सामने आ रही थीं, जिससे परेशान होकर आम जनता और ड्राइवर्स दोनों ने ही उनसे मुलाकात कर समाधान की उम्मीद जताई थी। इसी वजह से एक नए सहकारी ढांचे को विकसित करने का निर्णय लिया गया।

क्या प्राइवेट कंपनियों पर लगाम कसने के लिए केवल नया कानून बनाना काफी नहीं था? - अमित शाह के अनुसार, जब यह मुद्दा सामने आया, तो शुरुआत में यह विचार भी आया था कि सरकार को प्राइवेट कैब कंपनियों को नियंत्रित करने के लिए एक नया कानून बनाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल एक नया कानून बना देना किसी भी समस्या का 100 प्रतिशत समाधान नहीं हो सकता। यही कारण है कि सिर्फ कानूनी बंदिशों पर निर्भर रहने के बजाय सरकार ने एक ऐसा बिजनेस मॉडल तलाशने का फैसला किया जो बुनियादी रूप से ही शोषण से मुक्त हो।

इस नई पहल से कैब सेक्टर में क्या बड़ा बदलाव आएगा? -

इस बिजनेस मॉडल के पीछे का सबसे बड़ा विचार कैब सेक्टर से शोषण-आधारित व्यापार को खत्म करना है। जब टैक्सी सर्विस को-ऑपरेटिव मॉडल पर चलेगी, तो मुनाफे और कंट्रोल का एक बड़ा हिस्सा सीधे ड्राइवर्स के पास रहेगा, जिससे प्राइवेट कंपनियों द्वारा होने वाला शोषण खुद ही कम होने लगेगा। शाह ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत ने सहकारिता के माध्यम से कई अन्य सेक्टर्स में शानदार सफलता हासिल की है, इसलिए यही मॉडल टैक्सी सेक्टर की समस्याओं का भी एक सार्थक और प्रभावी समाधान बन सकता है। कुल मिलाकर, 'भारत टैक्सी' का यह नया प्रयोग भारतीय मोबिलिटी सेक्टर के लिए एक बहुत बड़ा कदम है। अगर गुजरात में यह पायलट प्रोजेक्ट सफलता हासिल करता है, तो यह देश भर में राइड-हेलिंग बिजनेस के तौर-तरीकों को हमेशा के लिए बदल सकता है।

'हॉन्टेड 3डी' शूटिंग के दौरान बुरे दौर से गुजर रही थीं चेतना पांडे

बोलीं- अंदर से पूरी तरह टूट चुकी थी

अभिनेत्री चेतना पांडे इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'हॉन्टेड 3डीः इकोज ऑफ द पास्ट' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में उनके अभिनय की जमकर सराहना हो रही है, लेकिन फिल्म की शूटिंग के समय वह भावनात्मक रूप से पूरी तरह टूट चुकी थीं। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में चेतना पांडे ने बताया कि मानसिक रूप से वह काफी परेशान थीं, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने अपने किरदार को पूरी ईमानदारी के साथ निभाया। आईएएनएस से बात करते हुए चेतना पांडे ने कहा, ''जब मुझसे फिल्म में सुनहरी का किरदार निभाने के लिए कहा गया, तब मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि मेरी अपनी जिंदगी इस किरदार से इतनी गहराई से जुड़ जाएगी। इस किरदार के लिए किसी अभिनय की तैयारी से ज्यादा मेरी अपनी जिंदगी ने मुझे तैयार किया। जब फिल्म की शूटिंग शुरू हुई, तब मैं अपनी जिंदगी के ऐसे दौर से गुजर रही थी, जहां मुझे खुद को संभालना मुश्किल हो रहा था। मैं अंदर से बिखर चुकी थी और मानसिक रूप से भी काफी परेशान थी।'' उन्होंने कहा, 'लेकिन समय के साथ मुझे यह समझ आया कि जिंदगी में आने वाली हर मुश्किल किसी न किसी वजह से आती है। कई बार मुश्किल हालात हमें आने वाले समय में मिलने वाली बड़ी जिम्मेदारियों और चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं। इसलिए मैंने उस दौर से सीखने की कोशिश की। ' चेतना ने आगे कहा, ''मेरी जिंदगी का सबसे कठिन समय ठीक उसी दौरान आया, जब फिल्म की शूटिंग चल रही थी। मेरी अपनी कहानी और फिल्म में निभाए गए सुनहरी के किरदार की कहानी कई जगह एक-दूसरे से मिलती-जुलती है। मुझे अभिनय करते समय अलग से भावनाएं पैदा करने की जरूरत नहीं पड़ी। मैंने अपने जीवन के दर्द, अकेलेपन और संघर्ष को सीधे अपने किरदार में उतार दिया। जो भावनाएं मेरे दिल में थीं, वही पर्दे पर सुनहरी के चेहरे और उसके व्यवहार में दिखाई दीं।'' फिल्म मिलने के अनुभव को याद करते हुए चेतना ने कहा, ''जब मुझे पता चला कि इस फिल्म का निर्देशन विक्रम भट्ट कर रहे हैं, तो मैं काफी उत्साहित हो गई थीं। भारतीय सिनेमा में डरावनी फिल्मों को नई पहचान देने का बड़ा श्रेय विक्रम भट्ट को ही जाता है। उन्होंने ऐसी कई फिल्में बनाई हैं, जिन्होंने इस शैली को नई ऊंचाई दी। 'हॉन्टेड' अपने समय की ऐसी फिल्मों में शामिल रही, जिसने दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ा। यह भारत की शुरुआती थ्री-डायमेंशनल हॉरर फिल्मों में से एक थी और इसकी कहानी, डर पैदा करने वाले सीन्स और गाने आज भी लोगों को याद हैं।'' चेतना ने आज के समय में बदलती दर्शकों की पसंद पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''आज लोगों के पास समय बहुत कम है और उनका ध्यान भी जल्दी भटक जाता है। कई बार लोग कुछ मिनट का छोटा वीडियो भी पूरा नहीं देख पाते। ऐसे दौर में यदि कोई फिल्म सालों तक लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाए रखती है, तो यह बहुत बड़ी उपलब्धि है।'' 'हॉन्टेड 3डीः इकोज ऑफ द पास्ट' में चेतना पांडे के साथ मिमोह चक्रवर्ती भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई।

दिवंगत दादी की बर्थ एनिवर्सरी पर भावुक हुई अमीषा पटेल

एक्ट्रेस अमीषा पटेल ने अपनी दिवंगत दादी को उनकी बर्थ एनिवर्सरी पर एक इमोशनल नोट के साथ याद किया और कहा कि वह उन्हें हर दिन याद करती हैं। एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि उन्हें 'स्वर्ग से जलन होती है क्योंकि वहां उनकी 'एंजल दादी' हैं।' अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अमीषा ने अपनी दादी को डेडिकेटेड एक फैन-मेड रील को रीशेयर किया और उन्हें याद करते हुए एक दिल को छू लेने वाला मैसेज लिखा। अपनी 'नान्फी' (दादी) को याद करते हुए अमीषा ने लिखा, 'मेरी एंजल दादी - मेरी नान्फी को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई! मैं आपको हर दिन, हर पल याद करती हूं। मुझे स्वर्ग से जलन होती है क्योंकि आप वहां हैं। लेकिन मुझे पता है कि आप हमेशा मेरे साथ हैं, हमेशा मेरे दिल और रूह में। ' इतनी शानदार रील बनाने के लिए एक्ट्रेस ने यूजर का शुक्रिया अदा किया और कहा, 'मेरी दादी सच में शालीनता और शाही अंदाज की मिसाल थीं। ' एक फैन द्वारा बनाई गई इस रील में उनकी दादी की जिंदगी और काम की झलकियां और डिटेल्स थीं। साथ ही इसमें छोटी-छोटी गुड़िया बनाने की उनकी कला को भी दिखाया गया था। अमीषा द्वारा रीपोस्ट की गई फैन-मेड रील में दी गई जानकारी के मुताबिक, उनकी दादी छोटी-छोटी गुड़िया और रेप्लिका (नकल) बनाती थीं, जिनमें महात्मा गांधी और सत्याग्रह और दांडी मार्च जैसे ऐतिहासिक आंदोलनों से जुड़ी चीजें शामिल थीं। अमीषा ने अक्सर इंटरव्यू में अपनी दादी के साथ अपने गहरे रिश्ते और उन्हें हर दिन कितना याद करती हैं, इस बारे में बात की है।

नीलम कोठारी ने याद किए 80-90 के दशक के शूटिंग के दिन

सुनाए 'आप के आ जाने से' के दिलचस्प किस्से

बॉलीवुड की 80 और 90 के दशक की लोकप्रिय अभिनेत्री नीलम कोठारी ने हाल ही में अपने यूट्यूब व्लॉग में पुराने दिनों को याद करते हुए फिल्म इंडस्ट्री के उस दौर को बेहद खास बताया। उन्होंने कहा कि भले ही उस समय शूटिंग के दौरान आज जैसी सुविधाएं नहीं थीं, लेकिन उस दौर की सादगी और खूबसूरती आज भी उन्हें सबसे ज्यादा पसंद है। नीलम ने बताया कि 80 और 90 के दशक में फिल्म सेट पर एयर कंडीशनर, वैनिटी वैन जैसी सुविधाएं नहीं हुआ करती थीं। इसके बावजूद उस समय काम करने का अपना अलग ही आनंद था। उन्होंने कहा, 'जब मैं शूटिंग के लिए सेट पर पहुंचती थी, तब एसी तो दूर की बात थी, वैनिटी वैन भी नहीं होती थी। सेट पर पहुंचते ही पसीना आने लगता था। मेकअप रूम में एक घंटे मेकअप और एक घंटे हेयरस्टाइल बनाने में लगते थे, लेकिन सेट पर पहुंचते-पहुंचते सब बिगड़ जाता था। नीलम कोठारी ने कहा, 'अगर मुझसे पूछा जाए कि आज के सेट और 80-90 के दशक के सेट में से मैं किसे चुनूंगी, तो मैं बिना सोचे-समझे उसी पुराने दौर को चुनूंगी। उस समय की सादगी, अपनापन और खूबसूरती कुछ अलग ही थी, जिसे मैं आज भी बहुत मिस करती हूं। ' नीलम ने अपने को-स्टार गोविंदा के साथ काम करने का अनुभव भी बताया। उन्होंने बताया कि खासकर गानों की शूटिंग के दौरान दोनों के बीच एक दोस्ताना मुकाबला चलता था।

नीलम कोठारी ने कहा, 'जब भी मैं गोविंदा के साथ गानों में काम करती थी, तो ऐसा लगता था कि हमारे बीच एक प्रतियोगिता चल रही है कि कौन डांस स्टेप्स बेहतर करेगा। हमारे डांस स्टेप्स की ताल और स्टाइल लोगों को बहुत पसंद आए।

उर्मिला मातोंडकर ने लगभग ठुकरा दिया था 'छम्मा छम्मा' गाना

बॉलीवुड के कई ऐसे गाने हैं जो लोगों के दिलों में खास जगह बना लेता है। ऐसा ही एक गाना है फिल्म 'चाइना गेट' का मशहूर डांस नंबर 'छम्मा छम्मा', जिसे आज भी दर्शक बड़े चाव से सुनते और देखते हैं। इस गाने में अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर की परफॉर्मेंस को लोगों ने काफी पसंद किया था। इस गाने को लेकर अब उर्मिला ने एक दिलचस्प खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वह इस गाने को करने के लिए शुरुआत में बिल्कुल भी तैयार नहीं थीं। उन्होंने इसके लिए लगभग मना कर दिया था। दरअसल, उर्मिला मातोंडकर टीवी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' के एक एपिसोड में स्पेशल गेस्ट के तौर पर शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने 'छम्मा छम्मा' गाने की शूटिंग के समय को याद किया और बताया, 'जब मुझे फिल्म 'चाइना गेट' के इस गाने का ऑफर मिला और मुझे बताया गया कि यह निर्देशक राजकुमार संतोषी की फिल्म का गाना है, तो मैंने इसे करने के लिए लगभग मना कर दिया था, क्योंकि उस समय इंडस्ट्री में आइटम नंबर को लेकर एक अलग सोच थी, जिसके चलते मैं शुरुआत में इस गाने को करने में झिझक रही थी। ' उन्होंने आगे कहा, ''बाद में निर्देशक राजकुमार संतोषी ने मुझसे बात की और मेरा नजरिया बदल दिया। उन्होंने समझाया कि पहले भी एक ऐसा गाना बनाया गया था, जिसे लोग डांस करते समय हमेशा याद करते हैं। वह चाहते हैं कि मैं एक ऐसा गाना करूं जो दर्शकों के दिल और दिमाग में लंबे समय तक बना रहे। इसके बाद मैंने इस गाने को करने का फैसला लिया।'' उर्मिला मातोंडकर ने इस गाने की शूटिंग से जुड़ी एक और दिलचस्प जानकारी साझा की। उन्होंने बताया, ''जब मैंने कोरियोग्राफर गणेश आचार्य से पूछा कि इस गाने की शूटिंग में कितना समय लगेगा, तो उन्होंने बताया कि लगभग 12 दिन लग सकते हैं।

जब दीपिका पादुकोण से लिफ्ट में मिले इंद्रजीत लंकेश, सुनाया पहली मुलाकात का दिलचस्प किस्सा

निर्देशक इंद्रजीत लंकेश इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'जय हिंद जय सिंध' को लेकर चर्चा में हैं।

इसी बीच उन्होंने आईएएनएस संग बातचीत में अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के फिल्मी सफर की शुरुआत से जुड़ी कई दिलचस्प बातें साझा की हैं। इंद्रजीत ने बताया कि जब वह अपनी कन्नड़ फिल्म 'ऐश्वर्या' के लिए नई अभिनेत्री की तलाश कर रहे थे, तभी उनकी मुलाकात दीपिका से हुई थी। पहली ही मुलाकात में उन्हें यह एहसास हो गया था कि वह आगे चलकर बड़ी स्टार बनेंगी। आईएएनएस से बात करते हुए इंद्रजीत लंकेश ने कहा, ''कन्नड़ फिल्म 'ऐश्वर्या' के लिए मैं बिल्कुल नया चेहरा चाहता था। इसी दौरान किसी ने मुझे दीपिका पादुकोण के नाम का सुझाव दिया। जब मैं उनसे मिलने पहुंचा और बात की, तो मैंने फैसला कर लिया था कि वहीं मेरी फिल्म की लीड एक्ट्रेस होंगी।'' निर्देशक ने अपनी पहली मुलाकात का एक दिलचस्प किस्सा भी बताया। उन्होंने कहा, ''मेरी और दीपिका की पहली मुलाकात लिफ्ट में हुई थी। उस दौरान मैंने फिल्म की कहानी सुनानी शुरू कर दी। मैं कहानी की सिर्फ दो लाइन्स ही बता पाया था कि दीपिका ने तुरंत फिल्म के लिए हां कर दिया। दीपिका पहले से ही आत्मविश्वास से भरी हुई थीं।

स्वास्थ्य मंत्री के गृह जिले में अस्पताल ही 'बीमार'

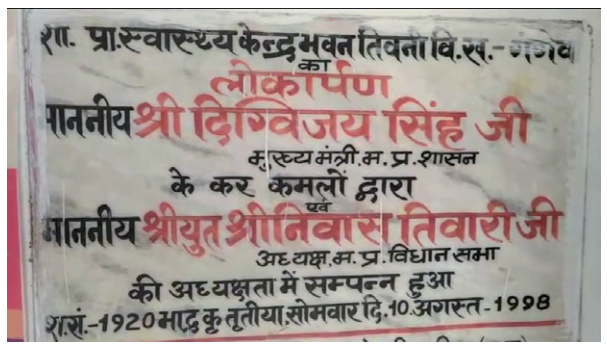

» स्वास्थ्य मंत्री, विधायक, जनपद अध्यक्ष प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पानी की व्यवस्था बनाने में नाकाम -----

» प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तिवनी में जल संकट बरकरार

साधना एक्सप्रेस रीवा* / मनगवाँ

10 अगस्त 1998 को मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह एवं तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष स्व. श्रीनिवास तिवारी द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तिवनी का विधिवत लोकार्पण किया गया था। इस अस्पताल का लोकार्पण शायद इसी उद्देश्य से किया गया होगा कि गांव के लोगों को उचित स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। लेकिन नतीजा यह है कि यह अस्पताल स्वयं पानी के लिए बीमार पड़ा हुआ है। करीब 2 वर्ष पहले तक अस्पताल से कुछ दूरी पर एक खारे पानी का हैंडपंप था । जो खराब होने की स्थिति में उसे भी जमीदोज कर दिया गया है। उस स्थान पर खाद का गोदाम बनाया जा रहा है। हालत बहुत गंभीर है।अस्पताल में आए मरीजों को पीने के लिए एक बूंद पानी तक नसीब नहीं हो रहा है। स्थानीय लोग बताते हैं कि एक समय था जब मध्य प्रदेश की राजनीति मनगवा विधानसभा क्षेत्र के तिवनी गांव से ही शुरू होती थी। और आज यही तिवनी गांव का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पानी के लिए आंसू बहा रहा है। वर्तमान समय में मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला रीवा जिले से ही हैं। स्वास्थ्य मंत्री के घर से महज 27 किलोमीटर की दूरी पर ही यह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र है । यह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गंगेव ब्लाक अंतर्गत आता है गंगेव के जनपद पंचायत अध्यक्ष विकास तिवारी स्वयं इसी गांव के निवासी हैं। फिर भी ना तो जनपद अध्यक्ष ना ही मंत्री जी को यह दुर्दशा नजर नहीं आई। ग्राउंड जीरो से ही आम लोगों की समस्याओं का निराकरण करने वाले क्षेत्रीय विधायक इंजीनियर नरेंद्र प्रजापति की भी उदासीनता इस मामले में स्पष्ट नजर आई। यह समझने वाली बात है कि जिस अस्पताल में पीने के लिए एक बूंद पानी न हो वहां की स्वच्छता कितनी अच्छी होगी, यह स्वयं ही पता चलता है। बेबस, परेशान आम मरीजों को स्थानीय स्वास्थ्य कर्मी भी लोगों से यही बताते हैं कि पानी नहीं है। स्वास्थ्य केंद्र में पानी की एक बूंद भी उपलब्ध न होने के कारण यहाँ आने वाले मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य कर्मी अपने अपने घर से पानी लाकर प्यास बुझा लेते हैं। लेकिन अस्पताल परिसर में पानी की सुविधा न होने से साफ-सफाई बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो गया है। जिससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है। यहां आने वाले मरीजों को पीने के पानी के लिए भी इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार गुहार लगाने के बावजूद प्रशासन और संबंधित विभाग इस गंभीर समस्या की अनदेखी कर रहे हैं।

स्थानीय नागरिकों ने शासन-प्रशासन से तत्काल इस समस्या के समाधान की मांग की है ।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इसी सप्ताह अस्पताल में डॉक्टर एवं फार्मासिस्ट की पदस्थापना हुई है। दोनों ने आकर अपनी अपनी पदस्थापना भी करा ली है। इस के बाद आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य की उम्मीद की किरण जाग गई थी। लेकिन शुक्रवार को यह पता चला कि सफाई कर्मी के रूप में एक आउटसोर्स कर्मचारी की नियुक्ति की गई थी। उसको भी यहां से हटकर कहीं अन्यत्र स्थान भेज दिया गया है। अब देखना यह है कि अस्पताल में साफ सफाई की जिम्मेदारी किसके हाथों में दी जाती है।

निर्जला एकादशी पर शर्बत व बूंदी भंडारे का आयोजन, श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

साधना एक्सप्रेस*।

निर्जला एकादशी के पावन पर्व पर वीर शिरोमणि रूपन बारी समाज सेवा संस्थान द्वारा समाजसेवा एवं जनकल्याण की भावना से शर्बत एवं बूंदी भंडारे का आयोजन किया गया।

संस्थान के अध्यक्ष लल्लू कुमार जानी ने अपनी माताजी श्रीमती शकुंतला देवी वर्मा के नाम पर इस सेवा कार्य का आयोजन कराया।

भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं राहगीरों को शर्बत और बूंदी का प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

इस अवसर पर संस्थान के संरक्षक बसंत लाल रावत, महामंत्री मुकेश रावत, कोषाध्यक्ष भरत लाल रावत, उत्तर प्रदेश रूपन बारी समाज सेवा संगठन समिति के प्रदेश अध्यक्ष सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ-साथ सेवा और सामाजिक एकता का संदेश देना रहा। उपस्थित सभी लोगों ने निर्जला एकादशी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए समाज में ऐसे जनहितकारी आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

ऊंची बिल्डिंग तनी, लेकर फायर एनओसी किसी के पास नहीं।

» सिरमौर चौराहा के पास मौजूद बिल्डिंग में सबसे ज्यादा कोचिंग सेंटर।

रीवा शहर में करीब 35 बिल्डिंग ऐसी जो पांच मंजिला या फिर उससे भी ऊंची बनी है।

साधना एक्सप्रेस रीवा

नगर निगम के सर्वे ने रीवा में ऊंची बिल्डिंग की सुरक्षा की पोल खोल दी है यदि इन बिल्डिंग में आग लगी तो इसमें रहने वालों का बचना नामुमकिन है लखनऊ कांड के बाद भी प्रशासन की नींद नहीं टूट रही लोगों की जान के साथ समझौता किया जा रहा है हर तो यहां है कि सिरमौर चौराहा में सबसे बड़ा और हर समय भारत रहने वाला टॉवर भी बिना एनओसी के चल रहा है यहां सबसे अधिक कोचिंग सेंटर है यदि इसमें आग लगी तो किसी का बचना मुश्किल है आगजनी की घटनाओं ने पूरे देश को हिला दिया है लगातार आज जाने की घटनाएं लोगों की जान ले रही है कभी अस्पताल तो कभी होटल चल रहे हैं हाल ही में लखनऊ में एक कोचिंग संस्थान में आग लग गई कई बच्चों की मौत हो गई इस आगजनी ने सबको हिला दिया लेकिन रीवा का जिला प्रशासन अपने सस्ती नहीं तोड़ पा रहा है जब देश में कहीं भी ऐसी घटनाएं होती हैं तो खाना पूर्ति करने के बाद शांत हो जाता है कोई बड़ा एक्शन आज तक नहीं ले पाया नगर निगम और जिला प्रशासन जिला प्रवाही के कारण हर पल रीवा के लोग खतरे में जी रहे हैं यहां ऊंची बिल्डिंग बनाने की अनुमति तो दी जा रही लेकिन सुरक्षा के मानक की तरफ किसी का ध्यान नहीं है इन पर शक्ति नहीं बढ़ती जा रही बिना पूरी सुरक्षा जांच ही इन ऊंची बिल्डिंग के संचालन की अनुमति तक दे दी गई है अब यही खतरा बन गए हैं।

एक कॉलेज से भी ज्यादा रहती है यहां भीड़। - सिरमौर चौराहा में राम गोविंद पैलेस या कहीं टावर है यह करीब 5 से 6 मंजिला का भवन है यहां नीचे से लेकर ऊपर तक दुकान और कोचिंग संस्थान संचालित होती है सैकड़ो दुकान हैं अधिकांश कोचिंग संस्थान उपरी मंजिल में चलती हैं इस राम गोविंद पैलेस के पास भी फायर एनओसी नहीं है अब ऐसे भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां पढ़ने वाले बच्चों की जिंदगी के साथ कितना बड़ा रिस्क दिया जा रहा है यदि बाद आग लगी तो नगर निगम की फायर ब्रिगेड इन्हें बाहर तक नहीं निकल पाएगी इनके पास इतनी ऊंची सीढ़ियां तक नहीं है यह एक समय के एक कॉलेज से भी ज्यादा भीड़ जुड़ती है हजारों छात्र-छात्राएं और ग्राहक मौजूद रहते हैं।

एसपीएस मॉल के पास भी एनओसी नहीं। - लापरवाही में पैसे वालों सेट सबसे आगे हैं बिल्डर बिल्डिंग बनाने के बाद ज्ञान अर्जन शुरू कर देते हैं ऐसा ही एसपीएस मॉल के संचालक ने किया यहां विशाल मेगा मार्ट संचालित हैं यहां सैकड़ो की भीड़ जुड़ती है इसके अलावा इस बिल्डिंग में होटल और बार भी है लोग यहां रुकते हैं अब ऐसे भी इन सभी की जान जोखिम में डाला गया है नगर निगम से फायर एनओसी नहीं ली गई है इन्हें बंद करने जैसे कार्रवाई भी नहीं की गई।

जॉन टावर भी बिना फायर एनओसी के चल रहा। - प्रशासन सिर्फ छोटे और गरीब लोगों का घर ही तोड़ना जानता है पैसे और बड़े लोगों के सामने नतमस्तक हो जाता है पर ऐसा ही शहर में हो रहा जॉन टावर भी बिना फायर एनओसी के चल रहा है आपको बता दे की एक समय ऐसा भी था जब नल की जमीन पर अतिक्रमण की जांच चल रही थी तब डिप्टी सीएम पर जॉन टावर संचालक रंजी जॉन ने उल्टा हमला बोल दिया था जिला प्रशासन ने तब घुटने टेक दिए थे और सामने सड़क के दूसरी तरफ खुद सरकारी जमीन को खाली कर पार्किंग के लिए जगह दे दी थी अब भी यह टावर ऐसे ही चल रहा है यहां पर फायर एनओसी तक नहीं है।

सरकारी मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल तक खतरे में। - करोड़ों रुपए की बिल्डिंग डिप्टी सीएम दनादन बनवा रहे हैं लेकिन यहां मरीजों और डॉक्टरों की जान बचाने के एग्जाम नहीं है अस्पताल के पास फायर एनओसी नहीं है आए दिन अस्पताल में अग्निकांड होते रहते हैं बड़ी आज जाने की घटना तक हो गई गाइनी ओटी में आग लगी थी तब एक नवजात भी जलकर मर गया था इसके बाद भी उनकी नींद नहीं टूटी हाल ही में एस प्लस 8 हाई राइज बिल्डिंग भी पीआईयू ने हाइड होल्डर की है इसका भी फायर एनओसी नहीं है डॉक्टर को इसमें कैमरे भी अलर्ट कर दिए गए हैं खुश रहने लगे हैं सब की जॉन जोखिम में डाली जा रही है इसी तरह नया जिला अस्पताल बना ऊंची बिल्डिंग बनी लेकिन फायर एनओसी नहीं लिया गया।

पूरे शहर में चल रहा है सर्वे, जल्द होगा बड़ा एक्शन । - नगर निगम ऐसी ऊंची ऊंची बिल्डिंगों की जांच कर रहा है अभी तक करीब 35 5 मंजिला और उससे ऊपर के बिल्डिंग को चिन्हित किया जा चुका है इनमें से अधिकांश में खामियां सामने आई है इनमें से अधिकांश फायर एनओसी के लिए अनफिट ही मिली है कोई भी नॉर्मस को पूरा नहीं कर रहा सर्वे के बाद नगर निगम सभी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई तैयारी कर रहा है ।

देश के भविष्य से प्रधान नहीं हो सकते है, केंद्रीय शिक्षामंत्री

भारत जैसे प्रजातंत्रिक देश में जवाबदेही का महत्वपूर्ण स्थान हैं। लोक सेवक जनता कि सेवा के लिए होता हैं, उसके नैतृत्व में संबंधित विभाग द्वारा किये गए अच्छे कार्य स्वयं एवं सरकार कि वाहवाही एवं सराहना का कारण बनते हैं। इसके उलट लोक सेवक के नैतृत्व में कि जाने वाली विभागीय गलतियां, त्रुटियां स्वयं एवं सरकार कि आलोचना का कारण बनती हैं। नीट परीक्षा पेपर लिक के बाद से देश में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे कि मांग कि जा रही हैं। नीट परीक्षा में धांधली और पेपर लिक के बाद उत्पन्न अत्यधिक मानसिक तनाव, हताशा के कारण देश भर में 12 से 16 के करीब छात्रों द्वारा खुदकुशी करने कि खबर सामने आई हैं। प्रजातंत्र में जवाबदेही और सामूहिक उत्तरदायित्व होना चाहिए। कोई इससे बच नहीं सकता हैं। एक स्कुल का प्राचार्य परीक्षा परिणाम बिगड़ने पर उत्तरदायी माना जाता हैं, जबकि प्राचार्य स्कुल का प्रबंधक होता हैं, उस पर शिक्षकीय दायित्व कम ही होता हैं, किंतु संस्था प्रमुख होने के कारण जिम्मेदारी प्राचार्य कि मानी जाती हैं।

इस प्रकार भारत सरकार के शिक्षामंत्री पर भी सामूहिक उत्तरदायित्व एवं जवाबदेही का सिद्धांत लागू होता हैं। इसी जवाबदेही और सामूहिक उत्तरदायित्व के सिद्धांत को पालन करवाए जाने कि मांग को लेकर नवनिर्मित काकरोच जनता पार्टी के बैनर तले पहले तो देश के बड़े शहरों में फिर देश कि राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 जून से प्रदर्शन चल रहा हैं। इन प्रदर्शनों के माध्यम से प्रदर्शनकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे कि मांग कर रहे हैं। कांग्रेस ने भी इस विषय पर देश भर में आंदोलन चला रखा हैं।केंद्र सरकार इस विषय पर खामोश नजर आ रही हैं। इस प्रकार आंदोलनकारियों कि अनदेखी करना देश कि वर्तमान सरकार कि आदत में शुमार हो गया हैं। सरकार को देश के भविष्य से अधिक महत्वपूर्ण शिक्षा मंत्री का पद पर बने रहना उचित लग रहा हैं। देश में शिक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल किये जा रहे हैं। सरकार कि और से इसका जवाब कोई देने को तैयार नहीं हैं। 3 मई को आयोजित परीक्षा को पेपर लीक होने के बाद रद्द किया गया। इसके बाद 21 जून को री-नीट परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा के बाद टीवी चैनल को दिए अपने साक्षात्कार में देश केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने री-नीट के सफल आयोजन को उपलब्धि मानते हुए उन्होंने इसे पारदर्शी और लिक प्रूफ माना। उन्होंने री-नीट के सफल आयोजन के लिए सहयोगी एवं सरकार कि खुले मन से तारीफ़ कि इसी साक्षात्कार में उन्होंने राहुल गांधी पर देश के छात्रों को गुमराह करने का आरोप और काकरोच जनता पार्टी को उन्होंने देश को बाटने वाली B टीम बताते हुए कहा जो देश के टुकड़े करना चाहते हैं वह जंतर-मंतर पर डपली बजा रहे हैं। देश इसकी समीक्षा कर रहा हैं।

देश के शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान का नीट पेपर लिक के बाद दिए अपने साक्षात्कार में जंतर-मंतर के छात्र आंदोलन को राष्ट्रविरोधी बताना उचित नहीं हैं। अपने विचार से विपरीत विचार को देश के टुकड़े करने वाला, राष्ट्र विरोधी विचार बताना एक फैशन हो गया हैं। प्रधान ने उसी फैशनेबल भाषा का उपयोग किया। जबकि जंतर-मंतर पर तिरंगा लहरा रहा हैं। राष्ट्र भक्ति और राष्ट्रीयता से जुड़े गीतों से युवा लबरेज दिखाई दे रहे हैं।

जंतर-मंतर पर सबसे अधिक गूंज केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान के त्याग-पत्र को लेकर सुनाई दे रही हैं। वही शिक्षामंत्री जो 21 जून कि री-नीट परीक्षा को सफल मानकर सामूहिक उत्तरदायित्व और जबवाबदेही के साथ सरकार कि पिट थपथपा रहे हैं। उन्हें 3 मई को नीट पेपर लिक सामूहिक उत्तरदायित्व एवं जवाबदेही के सिद्धांत से परे करते दिखाई देता हैं। गड़बड़िया हुई हैं, तो देश शिक्षामंत्री उसके लिए उत्तरदायी भी है। उन्हें पेपर लिक काण्ड के बाद तत्काल अपना अपने पद से त्याग-पत्र देकर देश कि जनता से माफ़ी मागना चाहिए थी। किंतु शायद ऐसा करने का साहस उनमे नहीं है। देश समीक्षा कर रहा है, आपकी सफलता और विफलता कि भी, सामूहिक उत्तरदायित्व और जवाबदेही के सिद्धांतो के पालन में सफलता और विफलता के दौरान अंतर करने के मामले में भी और देश यह भी समीक्षा कर रहा है कि देश के युवा जो शिक्षा व्यवस्था में खामियों को लेकर अपने भविष्य कि चिंता को लेकर झंडा उठा रहे है, उन्हें राष्ट्र विरोधी बताया जा रहा है। प्रजातंत्र में सत्ता पक्ष के खिलाफ उठने वाली हर आवाज़ राष्ट्र विरोधी नहीं होती, यह आवाजे भी राष्ट्र निर्माण कि आवाजे है। जंतर-मंतर दिल्ली में है। देश कि राजनैतिक पार्टियां भी भारत के प्रजातंत्र कि देन है। यह पार्टियां भी उतनी ही राष्ट्रीय है, जितनी देश कि सता में काबिज दल, इनका सोच भी बेहतर राष्ट्र का निर्माण है। केंद्र सरकार को चाहिए देश के भविष्य से प्रधान नहीं हो सकते देश के केंद्रीय शिक्षामंत्री इन्हे बदला भी जा सकता है। नीट पेपर लिक मामला सामुदायिक उत्तर दायित्व और जवाबदेही का विषय है।

- नरेंद्र तिवारी स्वतंत्र लेखक

7,शंकरगली मोतिबाग सेंधवा जिला बड़वानी मप्र। मोबा- 8770469542

नीट परीक्षा के बाद मार्तंड क्रमांक-2 में रहस्यमयी आग, कई सवालों के घेरे में प्रशासनिक व्यवस्था

साधना एक्सप्रेस रीवा।

जिला मुख्यालय स्थित शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मार्तंड क्रमांक-2 में नीट परीक्षा समाप्त होने के कुछ ही समय बाद प्राचार्य कक्ष में आग लगने की घटना ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आगजनी में सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर सहित अन्य सामग्री के नष्ट होने की बात सामने आई है। घटना के बाद सूचना देने में हुई देरी, फायर सेफ्टी उपकरणों की स्थिति तथा परीक्षा केंद्र से जुड़े रिकॉर्ड प्रभावित होने की आशंका को लेकर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठने लगी है।

सीसीटीवी डीवीआर के नष्ट होने से बढ़ा संदेह - जानकारी के अनुसार जिस कक्ष में आग लगी, वहीं सीसीटीवी निगरानी प्रणाली का डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (DVR) रखा हुआ था। नीट जैसी संवेदनशील परीक्षा में सीसीटीवी रिकॉर्डिंग महत्वपूर्ण साक्ष्य मानी जाती है। ऐसे में परीक्षा समाप्ति के तुरंत बाद आग लगने और डीवीआर के नष्ट होने से घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

स्थानीय लोगों और शिक्षा विभाग से जुड़े सूत्रों का कहना है कि यह स्पष्ट किया जाना आवश्यक है कि आग शॉर्ट सर्किट का परिणाम थी या फिर इसके पीछे कोई अन्य कारण था। मामले में तकनीकी जांच की मांग की जा रही है।

फायर सेफ्टी व्यवस्था पर भी उठे सवाल - सूत्रों के अनुसार विद्यालय में उपलब्ध फायर सेफ्टी उपकरणों के उपयोग को लेकर भी प्रश्न खड़े हो रहे हैं। यह भी चर्चा है कि कुछ अग्निशमन उपकरणों की वैधता अवधि समाप्त हो चुकी थी। आग लगने के बाद फायर ब्रिगेड को तत्काल सूचना न दिए जाने और पुलिस को भी कथित रूप से विलंब से जानकारी मिलने की बात सामने आ रही है।

प्राचार्य की पदस्थापना भी चर्चा में - घटना के बाद विद्यालय के प्राचार्य सुदामा लाल गुप्ता की पदस्थापना को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। बताया जाता है कि वे पूर्व में जिला शिक्षा अधिकारी के रूप में कार्यरत रहे हैं तथा अनुकंपा नियुक्ति से जुड़े एक मामले में निलंबन की कार्रवाई का सामना कर चुके हैं। बाद में उनकी बहाली हुई और उन्हें मार्तंड क्रमांक-2 विद्यालय का प्राचार्य बनाया गया।

कुछ सामाजिक संगठनों और नागरिकों का कहना है कि पूरे प्रकरण की जांच के दौरान उनकी पदस्थापना से जुड़े प्रशासनिक पहलुओं की भी समीक्षा की जानी चाहिए।

सूचना देने में देरी पर उठे प्रश्न - घटना को लेकर सबसे बड़ा सवाल यह है कि आग लगने के बाद संबंधित विभागों को तत्काल सूचना क्यों नहीं दी गई। बताया जा रहा है कि आग लगने के बाद कुछ समय तक स्थिति को स्थानीय स्तर पर नियंत्रित करने का प्रयास किया गया। हालांकि इस संबंध में आधिकारिक पक्ष सामने आना अभी बाकी है।

44 लाख रुपये के बजट को लेकर भी चर्चाएं - शिक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार विद्यालय को चालू वित्तीय वर्ष में लगभग 44 लाख रुपये का बजट स्वीकृत हुआ था। आगजनी की घटना के बाद विद्यालय की सामग्री, फर्नीचर और अन्य संसाधनों से जुड़े अभिलेखों पर असर पड़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है। हालांकि इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

निष्पक्ष जांच की मांग - घटना के बाद स्थानीय नागरिकों, समाजसेवियों तथा विभिन्न संगठनों ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। उनका कहना है कि आग लगने के वास्तविक कारणों, सीसीटीवी रिकॉर्डिंग के नष्ट होने, सुरक्षा व्यवस्थाओं में संभावित लापरवाही तथा प्रशासनिक जिम्मेदारियों की निष्पक्ष जांच होना आवश्यक है।

फिलहाल प्रशासन की ओर से विस्तृत जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि यह घटना महज एक दुर्घटना थी या इसके पीछे कोई अन्य कारण मौजूद है।

निरजला एकादशी पर रूपन बारी समाज सेवा संगठन ने किया शरबत वितरण

साधना एक्सप्रेस रीवा

निरजला एकादशी के पावन अवसर पर गुरुवार, 25 जून 2026 को रूपन बारी समाज सेवा संगठन (रजि.) के तत्वावधान में श्रद्धालुओं एवं राहगीरों के लिए मीठे रूहअफजा शरबत का वितरण किया गया। इस सेवा कार्य का उद्देश्य भीषण गर्मी के बीच लोगों को राहत पहुंचाना एवं धार्मिक पर्व के अवसर पर समाज सेवा का संदेश देना रहा।

कार्यक्रम में संगठन के जिलाध्यक्ष विनोद कुमार रावत (बारी) के नेतृत्व में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेश कुमार बारी, नंद किशोर बारी उर्फ गुड्डू जी, नितिन कुमार बारी, कालूराम बारी उर्फ गांधी जी, रूलिया राम बारी, तरुण कुमार बारी, वरुण कुमार बारी, राहुल कुमार बारी सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्यों एवं समाजबंधुओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि समाज सेवा और जनकल्याण के कार्य संगठन की प्राथमिकता हैं तथा भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे। शरबत वितरण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद स्वरूप शीतल पेय ग्रहण कर आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पुलिस प्रशिक्षण शाला उज्जैन में नव आरक्षकों को नशामुक्त समाज निर्माण का दिया गया संदेश

भोपाल | 'नशे से दूरी ही सबसे बड़ी सुरक्षा है।' इसी संदेश के साथ विश्व मादक पदार्थ दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी निरोधक दिवस (International Day Against Drug Abuse and Illicit Trafficking) के अवसर पर मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा पुलिस प्रशिक्षण शाला, उज्जैन में संचालित 6वें नव आरक्षक बुनियादी प्रशिक्षण सत्र के दौरान विशेष जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

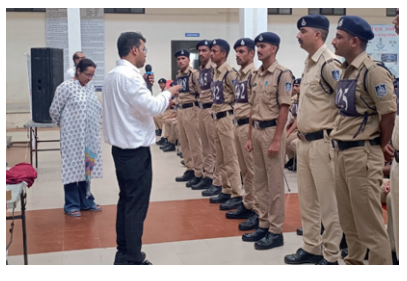

कार्यशाला का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक श्रीमती मनीषा पाठक सोनी द्वारा किया गया। उन्होंने मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव, नशा मुक्ति के महत्व, पुलिस की सामाजिक जिम्मेदारी तथा समाज में नशा विरोधी जन-जागरूकता अभियान की आवश्यकता के संबंध में जानकारी दी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित ।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490, प्रबंध संपादक आशीष नेमा मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा ।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698